Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 294 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 15 मई 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

भगवान महावीर ने दोषों से रहित आचरण को धारण किया था, इसलिये उनका आचरण पूज्य बन गया।

Lord Mahaveer Acquired flawless conduct hence his Conduct become adorable.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

तिरंगा यात्रा में उमड़ा जन सैलाब, नागरिकों ने दिया एकजुटता और देशभक्ति का संदेश

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हम सब एकजुट : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा की जब भी बात आएगी हम सभी एक हैं। देश के, अपने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और अपनी सेना के साथ हैं। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा में सभी वर्गों के लोग, सेवानिवृत्त सैनिक, समाज सेवी संगठन, आम नागरिक, महिला एवं पुरुष, बच्चों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर एकजुटता, देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव का संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में 9 आतंकवादी ठिकानों को पूरी तरह धराशायी कर दिया। हम सभी अपनी सेना के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम को नमन करते हैं। आज का भारत नया भारत है, जो किसी भी दुस्साहस का मुंह तोड़ जवाब देने में सक्षम है। हमें सर झुकाने की जरूरत नहीं होगी, हमारा डंका पूरी दुनिया में बजेगा। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी की कुशल कूटनीति के कारण पूरे विश्व में देश का सम्मान बढ़ा है और पाकिस्तान का आतंकवाद को शह देने का चेहरा उजागर हुआ है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी स्थगित हुआ है बंद नहीं हुआ है। उन्होंने कह की आज के इस दौर में हमें अफवाहों से सचेत रहने की जरूरत है। हमें हमारी सेना एवं नेतृत्व में पूर्ण विश्वास है उनके हाथों में देश सुरक्षित है।

लोकसभा सांसद रायपुर श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से आज हम एकजुटता का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इस अवसर पर जगदलपुर विधायक श्री किरण देव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत का नया पैमाना तय किया जा रहा है जिसमें देश के दुश्मनों को मुंह तोड़ जवाब दिया जा रहा है। हमारे सैनिकों पर हमें पूरा विश्वास है उनके शौर्य और पराक्रम से हमारा देश सुरक्षित है। पहलगाम आतंकवादी हमला का जवाब ऑपरेशन सिंदूर हमारे अभिमान का प्रतीक है एवं माता बहनों की उजड़ी मांग के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

कार्यक्रम के संयोजक एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम श्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए देश के 140 करोड़ नागरिक एकजुट हैं, हम सभी सेना के जवानों के साथ खड़े हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और देश की आन, बान और शान, भारतीय सैनिकों के साहस, शौर्य और पराक्रम को नमन करते हुए आज निकली गई तिरंगा यात्रा में लगभग 10 हजार लोग शामिल हुए। तिरंगा यात्रा मरीन ड्राइव से नगर घड़ी चौक तक निकाली गई। जिसमें सभी धर्म, जाति, संप्रदाय और सभी वर्गों के लोग भारत माता की जय के गगनभेदी नारों के साथ हाथ में तिरंगा थामे शामिल हुए।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री आवास एवं शहरी मामले श्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, स्वास्थ मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा सहित विधायकगण, महापौर श्रीमती मीनल चौबे उपस्थित थीं।

भारत-पाकिस्तान सीमा का दौरा करेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भुज एयरबेस पर जाएंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तान और उसके आतंकियों के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों का ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा है। कुछ ही समय के हमले में भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया और पाकिस्तान सीजफायर के लिए मिन्नतें करने लगा। इसके बाद दोनों में सीजफायर हुआ है। इस सीजफायर के बीच अब सूत्रों के हवाले से बड़ी जानकारी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को वायुसेना के भुज एयरबेस की यात्रा करने जाएंगे। सामने आई जानकारी के मुताबिक, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को भुज पहुंचेंगे। रक्षा मंत्री भुज एयरबेस की विजिट पर जाएंगे। राजनाथ सिंह की ये यात्रा दो दिवसीय यानी शुक्रवार और शनिवार के लिए होगी। जानकारी के मुताबिक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुजरात की भारत पाकिस्तान सीमा का दौरा करेंगे। सैन्य तनाव के दौरान पाकिस्तानी सेना ने ड्रोन की मदद से भारत के भुज को निशाना बनाने की कोशिश की थी। हालांकि, भारत के सुरक्षाबलों ने एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से एक के बाद एक पाकिस्तान के हमलों को लगातार विफल कर दिया था। आखिरकार कोई भी कामयाबी न मिलने और लगातार सैन्य नुकसान को देखते हुए पाकिस्तान ने सीजफायर की अपील की थी। इससे पहले पीएम मोदी ने भी मंगलवार को पाकिस्तान से लगी सीमा से केवल 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित आदमपुर एयरबेस पर जवानों को संबोधित किया था।

ऑपरेशन सिंदूर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठक की

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठक की, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद उनकी पहली मुलाकात थी. इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने राष्ट्रपति को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की. राष्ट्रपति ने सशस्त्र बलों की वीरता और समर्पण की सराहना की, जिसने आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिक्रिया को एक महत्वपूर्ण सफलता में बदल दिया।

पीएम मोदी ने की सीसीएस की बैठक : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट समिति सुरक्षा (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित रहे. इस बैठक में वर्तमान सुरक्षा स्थिति और भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया. इसके बाद, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक और कैबिनेट बैठक आयोजित की गई।

देशभर में निकाली गई तिरंगा यात्रा : भारतीय सेना के साहस और वीरता के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए भाजपा द्वारा देशभर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया. आज श्रीनगर में भी तिरंगा यात्रा निकाली गई, जबकि दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया परिसर में छात्रों और शिक्षकों ने इस यात्रा में भाग लिया. उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भी तिरंगा यात्रा आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की गरिमा की रक्षा के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है. उन्होंने यह भी बताया कि जब पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया, तो ऑपरेशन सिंदूर का अभियान चलाया गया, जिसमें पहले दिन ही 100 से अधिक आतंकवादियों को समाप्त किया गया, जिसे पूरी दुनिया ने देखा।

'मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता' अभियान को साय कैबिनेट की मिली मंजूरी

शिक्षा गुणवत्ता सुधार के लिए महत्वपूर्ण निर्णय, अभाव ग्रस्त कलाकारों, साहित्यकारों की पेंशन में वृद्धि

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए- जिसमें मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता ज्ञान संचालन करने का महानिर्यण लिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बच्चों गुणवत्ता सुधार के लिए लागू किया जायेगा, दुर्ग साहित्य और कला क्षेत्र में काम करने वाले कलाकारों को मानसिक वृत्ति सहायता (पेंशन) बढ़ाई जायेगी।

मंत्रिपरिषद के बैठक के पश्चात कैबिनेट के बैठक की जानकारी देते हुए उपमुख्यमंत्र अरूण साय ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए राज्य के शासकीय विद्यालयों में ''मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान का संचालन करने का अहम निर्णय लिया गया। इस अभियान के अंतर्गत शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, पालक-शिक्षक सहभागिता बढ़ाने और शैक्षणिक उपलब्धियों को उन्नत करने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष फोकस किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अभियान के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया जाएगा। अभियान के तहत विद्यालयों का सामाजिक अंकेक्षण कर गुणवत्ता के आधार पर ग्रेडिंग की जाएगी। कमजोर शालाओं की नियमित मॉनीटरिंग विभिन्न विभागों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। मॉडल शालाओं का चयन कर, कमजोर शालाओं के शिक्षकों को वहाँ शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। पालक-शिक्षक बैठकों (पीटीएम) के माध्यम से अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

करेगुट्टालू पहाड़ियों में सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी

31 माओवादी ढेर, 216 ठिकाने ध्वस्त

मुख्यमंत्री साय ने जवानों के शौर्य और साहस को सराहा, कहा- यह माओवाद पर निर्णायक प्रहार है

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में माओवादी गढ़ माने जाने वाले करेगुट्टालू पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ पुलिस और केंद्रीय बलों द्वारा संयुक्त रूप से 21 अप्रैल से 11 मई 2025 तक चलाए गए 21 दिवसीय व्यापक नक्सल विरोधी अभियान में कुल 31 वर्दीधारी माओवादी मारे गए, जिनमें 16 महिलाएं शामिल हैं। अभियान के दौरान माओवादियों के 216 ठिकानों और बंकरों को ध्वस्त किया गया तथा भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री जब्त की गई।

यह अभियान छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य माओवादियों की सशस्त्र क्षमता को समाप्त कर राज्य के विकास को गति देना है। करेगुट्टालू पहाड़ी, जो छत्तीसगढ़ के बीजापुर और तेलंगाना के मुलुगू जिले की सीमा पर स्थित है, को माओवादी संगठन वर्षों से अपनी सुरक्षित शरणस्थली के रूप में उपयोग कर रहे थे। इस 60 किलोमीटर लंबे और अत्यंत दुर्गम क्षेत्र में पीएलजीए बटालियन की टेक्निकल यूनिट सहित लगभग 300-350 माओवादी सक्रिय थे। यहां से देसी हथियार, आईईडी और बीजीएल शेल तैयार किए जा रहे थे। अभियान के दौरान माओवादियों की 4 तकनीकी इकाइयों को भी नष्ट किया गया, जहाँ से 4 लेथ मशीनें, 450 नग आईईडी, 818 बीजीएल शेल, 899 बंडल कार्डेक्स, डेटोनेटर और भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की गई। इसके अतिरिक्त राशन, दवाइयां और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी बरामद हुईं।

मानसून एक जून को केरल पहुंचने की संभावना

रायपुर (आरएनएस)। आईएमडी के अनुसार 13 एवं 14 मई की रात को बंगाल की खाड़ी में अंडमान सागर के कुछ क्षेत्रों में दक्षिण पश्चिम मानसून पहुंच चुका है। निजी एजेंसी के अनुसार एक जून को केरल मानसून पहुंचने की संभावना है। आमतौर पर मौसम विभाग द्वारा केरल मानसून पहुंचने पर ही भारत में मानसून आने की घोषणा की जाती है। जबकि आईएमडी के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून अंडमान निकोबार द्वीप समूह एवं अंडमान सागर के कुछ क्षेत्रों से आगे बढ़ रहा है।

समाजसेविका श्रीमती माया गोइल (जैन) का निधन, अंत्येष्टि आज

रायपुर (विश्व परिवार)। शंकर नगर निवासी समाजसेवी कीर्ति शेष श्री रवि गोइल की धर्मपत्नी श्रीमती श्रीमती माया गोइल का कल शाम 6:28 बजे देह परिवर्तन हो गया। आप 72 वर्ष की थी।

आप आदिनाथ इलेक्ट्रिकल्स एवं आदिनाथ इंटरप्राइजेज के संचालक श्री राजीव श्री संजीव श्री अमित गोईल की माता जी थी।

अंतिम संस्कार कल सुबह दिनांक 15 मई 2025 दिन गुरुवार को सुबह 10 बजे निज निवास दुर्गा मंदिर रोड न्यू शांतिनगर शंकर नगर रायपुर से मारवाड़ी श्मशान घाट जायगी।

दैनिक विश्व परिवार 'परिवार' गोईल परिवार की संवेदना को आत्मसात करते हुए दिवंगत आत्मा की उच्च गति प्राप्ति एवं शोक संतृप्त परिवार जनों को धैर्य धारण करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना करता है।

नक्सलियों ने लगातार 5वीं बार लिखा खत, सरकार से की शांति वार्ता की अपील

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में लगातार चल रहे नक्सल ऑपरेशन से नक्सलियों के पैर उखड़ रहे हैं। ऐसे में नक्सली हताश और परेशान हैं। उनका संगठन कमजोर हो रहा है। आज बुधवार को छत्तीसगढ़ डीजीपी के पुलिस प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले नक्सलियों ने लगातार पांचवीं बार प्रेस नोट जारी कर सरकार से फिर शांति वार्ता की अपील की है। नक्सली संगठन के केंद्रीय कमेटी प्रवक्ता अभय ने कहा है कि शांति वार्ता के लिए केंद्र की मोदी सरकार तैयार हैं या नहीं, वो अपनी स्थिति स्पष्ट करें। नक्सली इससे पहले भी चार बार खत लिखकर शांतिवार्ता की बात कह चुके हैं। माओवदी संगठन के केंद्रीय प्रवक्ता अभय ने कहा है कि शांति वार्ता के मामले में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की प्रतिक्रिया आनी चाहिए। उनकी प्रतिक्रिया से ही स्पष्टता आएगी। उसने स्वीकार किया कि करेंगुट्टा की पहाड़ी पर 26 नक्सली मारे गए हैं।

'आतंकवाद पर विजय' के बाद शहर में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए चेंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी एवं चेंबर पदाधिकारिगण

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 14 मई 2025 को पाकिस्तान को मुहतोड़ जवाब देते हुए आतंकवाद पर प्रचंड प्रहार पश्चात कूटनीतिक व राजनीतिक विजय पर शहर में प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णुदेव साय जी के गरिमामयी उपस्थिति में सर्व धर्म समाज द्वारा आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष, श्री सतीश थौरानी जी एवं सिंपल पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा राष्ट्र गौरव की स्थल के साक्षी बने।

श्री थौरानी ने अपने संबोधन में तीनों सेनाओं की सरहना करते हुए कहा, यह तिरंगा यात्रा न केवल हमारी एकता और अखंडता का प्रतीक है, बल्कि यह उन वीर शहीदों को भी हमारी श्रद्धांजलि है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। हम सभी को मिलकर इस शांति और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहना होगा। चेंबर हमेशा से ही राष्ट्रहित और सामाजिक सद्भाव के लिए कार्यरत रहा है।

श्री सतीश थौरानी ने आम नागरिकों के साथ कदमताल करते हुए राष्ट्रीय ध्वज लहराया और इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बने। उन्होंने युवाओं से देश के विकास और सुरक्षा में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। यात्रा में शामिल नागरिकों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों के साथ देशभक्ति का जोश दिखाया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक एवं पूर्व चेंबर अध्यक्ष श्री श्रीचंद सुंदरानी, चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी, महामंत्री श्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष श्री निकेश बरडिया, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंग सलूजा, शंकर बजाज, कन्हैया गुप्ता, लोकेश चंद्रकांत जैन, जनक वाधवानी, राजू भाई तारवानी, मनोज जैन, जवाहर थौरानी, गोविंद माहेश्वरी, अशोक छेतिजा, अमर गिदवानी, कपिल दोशी, विकास आहूजा, स्वाधीन जैन, गोविंद वाधवानी, शक्ति अग्रवाल, अशोक मलानी, लालचंद गुलवानी, राजेश गुरनानी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी गण उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री और स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल की कोशिशें हो रही है सफल

मनेंद्रगढ़ में रेल परियोजना को गति, भू-अर्जन के लिए सर्वे सूची जारी, 30 दिनों में दर्ज कराएं दावा-आपत्ति

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) (विश्व परिवार)। जिले में यात्री सुविधाओं के विस्तार और रेल परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल की कोशिशें रंग ला रही हैं। उनके अथक प्रयासों से रेल मंत्रालय ने चिरमिरी-नागपुर रोड हाल्ट रेलवे प्रोजेक्ट के लिए भू-अर्जन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में रेल मंत्रालय ने रेल अधिनियम 1989 की धारा 20(ए) के तहत एक अधिसूचना जारी की है।

इस प्रोजेक्ट को लेकर स्थानीय विधायक साल 2017 से है प्रयासरत है। इसके बाद साल 2018 में रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के मध्य पचास पचास प्रतिशत राशि से निर्माण कार्य के लिए एमओयू हुआ था। किन्तु सत्ता परिवर्तन के बाद तत्कालीन सरकार ने ये कह कर प्रोजेक्ट को रोक दिया कि इसकी स्थानीय स्तर पर कोई उपयोगिता नहीं है। हालांकि सत्ता परिवर्तन के बाद स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय से पहले बजट में है इस प्रोजेक्ट के लिए

राशि की मांग रखी जिसे पहले बजट में है वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा स्वीकृत कर राशि जारी कर दी गई।

इसके पश्चात शुरू हुई अन्य प्रक्रियाओं के तहत भू अर्जन हेतु सर्वे प्रक्रिया पूर्ण कर रेल मंत्रालय के द्वारा राजपत्र में भू अर्जन के लिए अधिसूचना का प्रकाशन किया गया है।

इस अधिसूचना के तहत भू-अर्जन के लिए सर्वे सूची जारी की गई है, जिसमें चिराईपानी, सरोला, बंजी, खैरबना, सरभोका और चित्ताझोर गांवों के भूखंडों के खसरा नंबर और अन्य विवरण शामिल हैं। सर्वे सूची में उल्लिखित भूखंडों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति या दावा है, तो वे 30 दिनों के भीतर अपर कलेक्टर या सक्षम प्राधिकारी के समक्ष लिखित रूप में अपनी अपील दर्ज करा सकते हैं।

यह कदम न केवल स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विकास को भी गति देगा। मंत्री जायसवाल के प्रयासों से एमसीबी जिला विकास की नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर है। इस रेल प्रोजेक्ट के शुरू हो जाने से चिरमिरी को राज्य और राष्ट्र स्तर पर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी और इसके साथ ही यहां के लोगों को शिक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य जैसे अनेक सुविधाओं का लाभ भी मिलेगा।

समाधान शिविर में अधिकारियो ने वार्डवासियों की समस्या का समाधान बताया

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार अंतर्गत निगम सीमाक्षेत्र में प्रथम चरण के तहत आयोजित शिविर में शिकायातो एवं मांगो संबंधित प्राप्त आवेदनों का समाधान कर उन्हें जानकारी देने वार्डो के लिए समाधान शिवर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित होकर प्राप्त आवेदनों का समाधान बता रहे है तथा नये आवेदन भी प्राप्त किये जा रहे है। इसके अलावा हितग्राही मूलक योजनाओ का लाभ दिया जा रहा है। शिविर में महापौर, निगम अध्यक्ष, आयुक्त सहित पार्षद उपस्थित होकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने वार्डवासियो को प्रेरित कर रहे है।

आज कमला कालेज में वार्ड नं. 20,21,22, 44 व 45 के लिये आयोजित शिविर में वार्डवासियो को उनका समाधान बता योजना का लाभ दिया गया। शिविर में महापौर परिषद के सदस्य श्री शैकी बग्गा व श्री राजा माखीजा, वरिष्ट पार्षद श्री शिव वर्मा व श्री शेखर यादव संबंधित वार्ड के पार्षद श्री कुलेश्वर ध्रुव, श्रीमती प्रियंका पंकज कुंजरेकर, श्री सेवक राम उईके, श्री डुरेन्द्र साहू तथा पार्षद श्री अमित कुशवाहा, पूर्व पार्षद श्री विजय राय व श्री मुकेश ध्रुव उपस्थित होकर वार्डवासियो को अपनी समस्या संबंधी समाधान जान शासन की योजनाओ का लाभ लेने अपील किए। अतिथियों ने विभागीय स्टाल का निरीक्षण कर जानकारी लिए एवं गर्भवती महिलाओ की गोदभराई कर नवजात शिशुओ का अन्नप्राशन कराया।

समाधान शिविर में आज संबंधित वार्ड के हितग्राहियो को अतिथियो ने वर्षा साहू, चित्ररेखा गोड, मनीषा साहू, जीवनलाल साहू, लेमेश्वरी बाई, डिलेश्वरी अनिल सिन्हा व सरोज सिन्हा को राशन कार्ड, ज्योति बाई, उषा साहू, नितेश ज्ञान चंदानी, पिंकी ढीमर, ओमकार, दीपिका ठाकुर, सुनील मार्टिन को श्रम कार्ड तथा आयुष्मान वय वंदन कार्ड के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के श्री कृष्णपुरी गोस्वामी, बी.कृष्ण मेमन व सावित्री मेमन को आयुष्मान कार्ड एवं मोर संगवारी योजना के तहत तुलसीपुर निवासी देवसिंह राजपूत को आय प्रमाण पत्र व विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके अलावा समाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत नारद कुंजाम व सुशीला श्रीवास को वृद्धा पेंशन हेतु स्वीकृति पत्र दिया गया। साथ ही बेटी बचाओ, बेटी प?ाओ योजनांतर्गत किशोरी बालिकाओ को महिला एवं बाल विकास की ओर से नि:शुल्क सेनेटरी नेपकीन का वितरण किया गया। शासन की योजनाओ का लाभ लेकर हितग्राही लोग सुशासन तिहार के लिए शासन का आभार व्यक्त कर रहे है। उनके द्वारा कहा गया कि हमारे वार्ड का शिविर लगाकर हमे राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड का वितरण किया गया, जिसके लिए हमे भटकना नही प?ा। कौरिनभाठा निवासी श्री कृष्णपुरी गोस्वामी ने कहा कि शिविर में मुझे 70 वर्ष से अधिक उम्र वाला आयुष्मान कार्ड मिला जिससे मैं 5 लाख तक अपना ईलाज करा सकता हूँ। वही मोर संगवारी योजना का लाभ लेकर विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त कर देवसिंह राजपूत ने कहा कि मुझे आसानी से विवाह प्रमाण पत्र मिल गया, जिसके लिए मुझे निगम का चक्कर लगाना नही प?ा। उन्होने मुख्यमंत्री माननीय विष्णु देव साय जी का सुशासन तिहार आयोजित करने के लिए धन्यवाद देकर योजना का लाभ देने आभार व्यक्त किया।

समाधान शिविर में आयुष विभाग, चिकित्सा विभाग द्वारा वार्डवासियो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा विभागीय योजनाओ का ब्रोसर भी बाटे गये। शिविर में निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा सहित सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। 16 मई शुक्रवार को मोतीपुर स्कूल में वार्ड नं. 1,2,3,4,7 व 8 के लिए समाधान शिविर लगाया जायेगा। जहॉ संबंधित वार्ड के वार्डवासियो को समाधान बता योजना का लाभ दिया जायेगा।

कलेक्टर ग्रामीण वार्ड ढाबा, सिंगदई, मोहढ़, कन्हारपुरी का निरीक्षण कर एप्रोच रोड तथा शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए देखा भूमि

कलेक्टर ने शहर के उद्यान देख पाथवे, खेल उपकरण मरम्मत कर विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करने के अलावा वृक्षारोपण करने तैयारी के दिए निर्देश

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे आज सुबह निगम सीमाक्षेत्र के ग्रामीण वार्ड ढाबा, सिंगदई, मोह कन्हारपुरी का निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, एस.डी.एम. श्री खेमलाल वर्मा तथा अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर सुगम यातायात के लिए एप्रोच रोड निर्माण हेतु स्थल के अलावा विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु भूमि का निरीक्षण किए। उन्होंने शहर के उद्यानों का जायजा लेकर आवश्यक मरम्मत व रख रखाव के साथ साथ बारिश में आवश्यकता अनुसार वृक्षारोपण करने तैयारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. भुरे ने आज सुबह ग्रामीण वार्ड सिंगदई, मोह? एवं कन्हारपुरी पहुँच रिक्त शासकीय भूमि का निरीक्षण कर अधिकारियों से जानकारी लिए। उन्होंने वार्डवासियों की मांग पर आवागम ने लिए एप्रोच रोड हेतु स्थल देखा, वही उन्होंने शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि देख खसरा नक्शा तथा निजी भूमि की जानकारी उपलब्ध कराने अधिकारियों से कहा। उन्होंने कहा कि शासकीय भूमि है, इसका उपयोग जनहित में करना है। शासकीय भूमि के पास यदि निजी भूमि स्थित है उसकी सम्पूर्ण जानकारी दी जाये। एथलेटिक्स सिनथैटिक ट्रेक निर्माण हेत ढाबा में नगर सेना आफिस के पीछे की शासकीय भूमि का निरीक्षण कर उन्होंने भूमि स्थिति की जानकारी ली।

निरीक्षण की कडी में कलेक्टर डॉ. भूरे शहर के उद्यानों में क्रमश: शिवाजी पार्क, त्रिवेणी परिसर, पुष्पवाटिका, चैपाटी, कृष्ण कुंज, आर.के.नगर, अमृत उद्यान एवं नेहरू पार्क का जायजा लिया। उन्होंने उद्यानों को देख आयुक्त श्री विश्वकर्मा से कहा कि सभी उद्यानों में रख रखाव एवं मरम्मत की आवश्यकता है। उद्यान के खेल उपकरण, पाथवे, आदि का मरम्मत कर विद्युत व्यवस्था दुरूस्त कर साफ सफाई रखे। उन्होंने आगामी वर्षा ऋतु में आवश्यकता अनुसार उद्यानों में वृक्षारोपण करने तैयारी करने कहा। उन्होंने कहा कि उद्यान नागरिको के भ्रमण एवं मनोरंजन का स्थल है, जहॉ प्राथमिकता तय कर व्यवस्था दुरूस्त रखे। निरीक्षण के दौरान कार्यपान अभियंता श्री यू.के.रामटेके व श्री संजय वर्मा, सहायक अभियंता श्री प्रणय मेश्राम, प्र.सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा सहित अधिकारी उपस्थित थे।

विचक्षण जैन विद्यापीठ का शानदार बोर्ड परीक्षा परिणाम

रायपुर (विश्व परिवार)। विचक्षण जैन विद्यापीठ, एक दिन-आवासीय (Day-cum-Residential) विद्यालय है, जो आधुनिक शिक्षा प्रणाली को पारंपरिक जैन मूल्यों के साथ जोड़कर छात्रों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता है। विद्यालय का पाठ्यक्रम CBSE बोर्ड पर आधारित है, और इसकी शैक्षणिक पद्धति में अनुभव आधारित शिक्षा, नैतिक मूल्यों की शिक्षा, जीवन कौशल, तकनीक के सही उपयोग और व्यक्तित्व निर्माण को प्रमुखता दी जाती है। यहाँ शिक्षा सिर्फ अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों को अच्छा इंसान बनाना भी हमारा लक्ष्य है। हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि CBSE कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में विद्यालय का परिणाम 100 प्रतिशत रहा है। कक्षा 12वीं में इस वर्ष कुल 36 छात्रों ने परीक्षा दी।

कॉमर्स संकाय के छात्र अर्हम जैन ने 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा पुलकित सुराना (86 प्रतिशत), शिव बरड़िया (84 प्रतिशत), अंशिका जैन (82.6 प्रतिशत) और उत्सव गोलछा (81 प्रतिशत) ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। कक्षा 10वीं में कुल 42 छात्रों ने परीक्षा दी। पार्श्व पिंचा ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। मान्या जैन (88.8 प्रतिशत), देशना जैन (88.6 प्रतिशत), अनंत कांकड़िया (87.2 प्रतिशत) और निमिषा जैसवाल (86.8 प्रतिशत) ने भी उच्च अंक प्राप्त किए और विद्यालय का नाम रोशन किया। यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पित प्रयास का परिणाम है। साथ ही, यह अभिभावकों के सहयोग और विद्यालय की मूल्य आधारित शिक्षा का प्रमाण भी है।

विद्यालय परिवार सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई देता है और उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों का धन्यवाद करता है, जिनके सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। प्राचार्य ए. पी. सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिया है कि सही मार्गदर्शन, मेहनत और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ा जाए तो हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। हमें गर्व है कि हमारे छात्र सिर्फ पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि अच्छे आचरण और व्यवहार में भी मिसाल बन रहे हैं।

DEAR TAX PAYER
PLEASE FILE YOUR INCOME TAX RETURN BEFORE DUE DATE TO AVOID LATE FILING PENALTY.
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
शेखर गुप्ता 9300755544
RIFCO TAX Consultants Financial Services
D-6, Sector-2, Devendra Nagar, Raipur.
RIFCO Tax Consultants

PUBLIC NOTICE

NOTICE U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932

Notice is hereby given that the firm **M/s Navkar Trading Company, Shop No. 206, Rishabh Complex, M.G. Road, Raipur (C.G.)** as per constituted partnership deed **dated 10/04/2019** vide Registration No. 222201938966. undergone the following changes w.e.f. **23/08/2019** all the partner **Sanjay Golechha, Vinesh Golechha and Siddharth Lunkad** retired from partnership firm hence firm automatically dissolved.

M/S NAVKAR TRADING COMPANY

PARTNER PARTNER PARTNER

PLACE :- RAIPUR
DATE :- 05/05/2025

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं./20835/न.पा.नि./जोन क्रं. 4/2025
रायपुर दिनांक : 14-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20835
वार्ड का नाम- 45 - स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR739B00336** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SAVITA GUPTA W/O ANIL GUPTA, SUNIL, ARUN, RAJENDRA, SHAILENDRA, DHIRENDRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHIV DAS GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. सविता गुप्ता पति अनिल गुप्ता 2. सुनील, अरूण, शैलेन्द्र, धीरेन्द्र, सभी पिता स्व. शिव दास गुप्ता 3. संध्या गुप्ता, श्रद्धा गुप्ता, विश्वास गुप्ता, विनायक गुप्ता सभी पिता स्व. राजेंद्र गुप्ता** पिता/पति श्री/श्रीमती **N/A** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, परिचय दस्तावेज, सहमति पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **दीनदयाल आवास योजना सेजबहार, रायपुर** में निर्मित भवन **क्र. एल.आई.जी.-1100, श्री कृष्णा सिंह पिता - स्व. श्री माखन सिंह,** के नाम पर इस कार्यालय का **आदेश क्र. 5441 दिनांक 26.10.2006** द्वारा भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में **दिनांक 09.07.2015** को सेलडीड पंजीकृत करा लिया गया है। वर्तमान में आबंटी **श्री कृष्णा सिंह पिता स्व. श्री माखन सिंह, निवासी- सिवनी, अभनपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को **क्रेता श्री दिलेश्वर देवांगन पिता - श्री युवराज देवांगन, निवासी- एल.आई.जी.-1090, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

//इश्तिहार//

ई. क्र./202505110200020
/अ-6/वर्ष 2025

रायपुर, दिनांक 06/05/2025
ग्राम- रायपुर खास, प0ह0नं0 62,
तहसील व जिला रायपुर छ.ग.

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक **जगरनाथ भगत पिता स्व. लिबनुस राम भगत निवासी प्रोफेसर कालोनी, रायपुर छ.ग.** द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि **ग्राम-रायपुर खास, प0ह0नं0 62, तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर-1523/17 रकबा 0.037 हे0, खसरा नंबर-1523/18 रकबा 0.027 हे0 भूमि** वर्तमान राजस्व अभिलेख में **लिबनुस राम भगत पिता स्व. फागुराम भगत** के नाम पर दर्ज है। आवेदक के पिता **स्व. लिबनुस राम भगत की मृत्यु दिनांक 17/12/2024** को हो चुकी है। आवेदक के पिता ने अपने जीवनकाल में नोटराईज वसीयतनामा **दिनांक 07/09/2008** को निष्पादित कर उक्त संपत्ति को आवेदक **जगरनाथ भगत पिता स्व. लिबनुस राम भगत** को वसीयत प्रदान किया है। अत: आवेदक द्वारा नोटराईज वसीयतनामा के आधार पर मृतक खातेदार का नाम विलोपित कर आवेदक अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति **दिनांक 22/05/2025** को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर
तहसीलदार
रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम
ई-कोर्ट प्रकरण कमांक
/ब-121/ वर्ष 2024-25

इश्तिहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **आवेदिका अम्बिका वैष्णव पति श्यामदास वैष्णव निवास का पता - ग्राम - झलमला तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ द्वारा अपने पुत्र ओमप्रकाश वैष्णव पिता श्यामदास वैष्णव निवास का पता - ग्राम झलमला तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़** है, जिनकी जन्म **ग्राम झलमला थाना - पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ में दिनांक 05/12/1979** को हुआ है जिनकी जन्म तिथि प्रमाण हेतु कक्षा आठवी के अंक सूची सहित शासकीय दस्तावेजों में दर्ज कराये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उपर्युक्तानुसार वर्णित पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा-आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षकर्ता न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई **तिथि 30.05.2025** तक स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

सुनवाई तिथि 14.05.2025

मुहर
न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया जिला कबीरधाम

न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम
अ-6 वर्ष 2025 - 26, 2025408180
ग्राम खण्डसरा पं. ह. नं. - 22

इश्तिहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण **ग्राम-खण्डसरा प.ह.नं.-22 रा.नि.मं. दशरंगपुर, तहसील पिपरिया** को सूचित किया जाता है कि आवेदक **विष्णु साहू पिता पुनाराम ग्राम सनकपाट तहसील ढाढी जिला-बेमेतरा छ.ग.** के द्वारा फौती नामांतरण कराने हेतु आवेदन पेश किया गया है। **ग्राम खण्डसरा प0ह0नं0 22 तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम में स्थित भूमि ग्राम खण्डसरा प.ह.नं. 22 रा.नि.मं. दशरंगपुर तहसील पिपरिया में स्थित भूमि ख.नं. 66/1, 66/2, 66/3, 68/1, 70/2, 70/3, 73/3, 73/6 कुल खसरा नंबर 08 रकबा 1.429 हेक्टे. भूमि के नाम पर विष्णु साहू पिता पुनाराम** का नाम दर्ज है। जिसकी मृत्यु हो जाना बताया गया है। उक्त भूमि का फौती नामांतरण कराने हेतु प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भूमि के संबध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर मेरे समक्ष लिखित रूप से पेशी **तारीख 30.05.2025** तक प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् के दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार आज **दिनांक 09.05.2025** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलीन की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर
न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया जिला कबीरधाम

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में भवन योजना के अतंर्गत, **एम.आई.जी डुफ्लेक्स - 30** दुकानों/भूखण्डों/भवनों में से भूखण्ड/भवन **क्रमांक एम.आई.जी. डुप्लेक्स - 30 श्रीमती माला ठाकुर पिता श्री स्व. रामेश्वर नाथ ठाकुर** को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा **दिनांक 17-12-13** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु **दिनांक 12-5-25** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्री संजय कुमार पाण्डेय पिता - श्री लालता प्रसाद पाण्डेय** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./20839/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 14-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20839
वार्ड का नाम- 45 - स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757B0293B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHREE CHAND** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANOOP CHAND JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विमल चंद जैन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. अनूप चंद जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनान्तर्गत शंकर नगर, रायपुर में स्थित भवन **क्रमांक-एल.आई.जी.-23, सेक्टर-02, मूल आबंटी श्री देवब्रत बर्धन पिता - श्री यू.सी. बर्धन** की मृत्यु होने के उपरांत उनके **पुत्र श्री शिवब्रत बर्धन पिता - स्व. देवब्रत बर्धन** को इस कार्यालय का नामांतरण **आदेश क्र. -34 दिनांक 10.03.2017** के माध्यम से नामांतरित है। वर्तमान में नामांतरी **श्री शिवब्रत बर्धन पिता - स्व. देवब्रत बर्धन, की मृत्यु दिनांक** 19.02.2025 को हो जाने के कारण उनकी **पत्नी श्रीमती शुभ्रा बर्धन पति - स्व. शिवब्रत बर्धन, निवासी-एल.आई.जी.-23, सेक्टर-02, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु निर्धारित आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उपरोक्त भवन को उनकी **पत्नी श्रीमती शुभ्रा बर्धन पति स्व. शिवब्रत बर्धन,** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: उक्त भवन के नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./19482/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 06-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19482
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445R00218** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SEETA ENERGEN PRIVATE LIMITED DIRECTOR NEERAJ AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI PIYUSH JAISWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI PARESHWAR JAISWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं./20855/न.पा.नि./जोन क्रं. 4/2025
रायपुर दिनांक : 14-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20855
वार्ड का नाम- 45 - स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR757B00103** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SUSHIL KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DESHRAJ JI JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. तुलसी जैन 2. चिन्मय जैन** पिता/पति श्री/श्रीमती **दोनों के पिता स्व. सुशील कुमार जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, परिचय दस्तावेज, सहमति पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं./20836/न.पा.नि./जोन क्रं. 4/2025
रायपुर दिनांक : 14-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20836
वार्ड का नाम- 45 - स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR757B00293** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ANOP CHAND** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHANKAR LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विमल चंद जैन** पिता/पति श्री/श्रीमती **स्व. अनूप चंद जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, परिचय दस्तावेज, सहमति पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर गुरुवार 15 मई 2025

भू-माफियाओं के खिलाफ पुलिस ने की कड़ी कार्यवाही, भूमि हड़पने वाले तीन और आरोपी को भेजा सलाखों के पीछे

बलरामपुर। बलरामपुर जिले में भोले-भाले ग्रामीणों की जमीन हड़पने वाले भू-माफ़ियाओं के विरुद्ध पुलिस का अभियान लगातार जारी है। विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के एक ग्रामीण से धोखाधड़ी कर उसकी जमीन फर्जीवाड़े से रजिस्ट्री कराने वाले तीन और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। इससे पूर्व भी इसी मामले में तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार संतलाल, निवासी ग्राम भेस्की,थाना राजपुर द्वारा चौकी बरियों में प्रस्तुत एक लिखित आवेदन से हुई। संतलाल, जो पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति से संबंध रखते हैं,ने आरोप लगाया कि उनकी 2.468 हेक्टेयर संयुक्त खातेदारी भूमि को सुनियोजित षड्यंत्र के तहत फर्जी तरीके से आरोपीगणों द्वारा रजिस्ट्री करा लिया गया। जांच में यह सामने आया कि आरोपी शिवाराम नगेशिया के नाम पर रजिस्ट्री कराई गई, जिसमें बिना सभी खातेदारों की सहमति और बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के विशेष जनजातीय भूमि की बिक्री की गई। आरोपीगणों ने हल्का पटवारी और उप-पंजीयक की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज तैयार कर रजिस्ट्री संपन्न कराई। जांच में पता चला कि भूमि के एवज में आरोपी विनोद अग्रवाल उर्फ मधु और प्रवीण अग्रवाल ने 14 लाख रुपए का चेक शिवाराम के नाम पर दिया था, जो दरअसल प्रियंका ट्रेडर्स के माध्यम से आरटीजीएस के रूप में भेजा गया था। इस लेनदेन की कड़ी में अमित गुप्ता, महेन्द्र अग्रवाल और रजाउल हसन की संलिप्तता प्रमाणित हुई, जिन्हें विधिवत गिरफ्तार किया गया। मामले में प्रमुख आरोपी विनोद उर्फ मधु अग्रवाल और प्रवीण अग्रवाल सहित अन्य आरोपी अब भी फरार हैं, जिनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। बलरामपुर पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर रमनलाल के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस संगठित भूमि घोटाले में शामिल दोषियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। इन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार 1. अमित कुमार गुप्ता पिता विजय प्रसाद गुप्ता, उम्र 34 वर्ष, निवासी पिण्ड्रा, थाना बलरामपुर। 2. महेन्द्र अग्रवाल पिता जोगी अग्रवाल, उम्र 52 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 07, थाना राजपुर। 3. रजाउल हसन पिता स्व. नबी रसुल, उम्र 38 वर्ष, निवासी उदारी,थाना लुण्ड्रा, जिला सरगुजा।

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल का किया गया आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो दैनिक विश्व परिवार -शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और सुरक्षित प्रतिक्रिया देना सीखना था। एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी सहायक प्राध्यापक श्रीमती शालिनी शांता कुजूर द्वारा नागरिक सुरक्षा की भूमिका के बारे में बताया गया तथा पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बारे में बताया गया एवं श्भारतीय सेना के प्रतिउत्तर में एक्शन ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी गई। सभी विद्यार्थियों को एन एस एस के वर्तमान स्थिति के परिपेक्ष में भारतीय बॉर्डर पर हो रही घटनाक्रम को देखते हुए आवश्यकता पड़ने पर देश की सेवा के लिए सिविल डिफेंस वालंटियर माय भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन हेतु सभी विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों को अपना रजिस्ट्रेशन करने के लिए निर्देशित किया गया। हम घर पर रहकर भी अपने देश की सेवा में सहयोग दे सकते हैं नागरिक नियम का पालन करके।

इस कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता प्राचार्य श्री अमित सिंह बनाफर महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का मकसद पर बच्चों को जानकारी दी। मॉक ड्रिल के सात एक्सरसाइज के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी, उन्होंने बताया कि आपकी सतर्कता ही आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है। ब्लैक आउट के दौरान किसी भी प्रकार की रोशनी, मोमबत्ती, टॉर्च, लाइटर नहीं जलाना है। इनवर्टर व जनरेटर बंद करें, ताकि बाहरी रोशनी समाप्त हो सके। खिड़कियों व दरवाजों के पर्दे बंद करें, ताकि रोशनी बाहर न दिखे। वाहन चला रहे हो तो तुरंत किनारे लगाकर बंद कर दें, हेडलाइट और इंडिकेटर बंद रखें। सभी सदस्य परिवार के एक जगह पर सुरक्षित रखें विशेष रूप से बच्चों बुजुगों और दिव्यांग जनों को ।

रेडियो मोबाइल या अन्य माध्यम से सरकारी निर्देश सुनते रहे एवं इसका पालन करें। पड़ोसियों को भी सतर्क करें, विशेष कर अकेले रह रहे लोगों को तथा जरूरी दवाइयां और टॉर्च आदि सामान पहले से तैयार रखें। इसकी जानकारी दी गई तथा वीडियो के माध्यम से मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की एन एस एस टीम एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया सहायक प्राध्यापक अंजना, श्री अजय तिवारी, श्री भारत लाल कंबर, श्री आशीप कौशिक, थी जफीर, सुश्री स्वाति यादव एवं कार्यालय स्टाफ के सभी सदस्य की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और प्रभावी बनाया।

मुंगेली जिले में बाहर से आये व्यक्तियों को किया गया चेक

मुंगेली। मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) द्वारा जिले में बाहर से आये अवैध/अनाधिकृत अप्रवासीयों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मुंगेली मयंक तिवारी के नेतृत्व में टीम गठित किया गया है। जिसके परिपालन में बाहरी व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित करने हेतु थाना प्रभारी सिटी कोतवाली मुंगेली एवं स्टॉफके द्वारा पश्चिम बंगाल के 40 फेरी वाले व्यक्तियों को थाना सिटी कोतवाली मुंगेली लाकर उनके आधार कार्ड के माध्यम से फिंगर प्रिंट लिया गया एवं नेफिस के माध्यम से चेकिंग कर उनके निवास स्थल क्षेत्र के थाना प्रभारियों को इनके चाल-चलन तस्दीक हेतु तहरीर जारी किया। जिला मुख्यालय में संचालित होटल, ढाबा, लॉज, बस स्टैण्ड स्थित धर्मशाला एवं लोहा बाड़ा में रहने वाले व्यक्तियों की भी चेकिंग की गयी। बाहर से आये व्यक्तियों को मकान किराये पर देने के पहले उक्त व्यक्तियों के संबंध में पुलिस को जानकारी देने तथा अनजान एवं संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की लोगों से अपील की गयी। उक्त चेकिंग कार्यवाही में उप निरीक्षक गिरीजा शंकर यादव थाना प्रभारी सिटी कोतवाली मुंगेली, सहायक उप निरीक्षक ईश्वर राजपूत, आरक्षक अजय चन्द्राकर, विकास ठाकुर, योगेश यादव की भूमिका सराहनीय रही।

104 ग्रामों में निर्मित सेप्टिंक टैंक भरने के उपरांत सफाई करने का लक्ष्य निर्धारित

जशपुरनगर। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जशपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम गम्हरिया में मलीय गाद प्रबंधन (फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) की स्थापना किया गया है। जिसके अंतर्गत 104 ग्रामों में निर्मित सेप्टिंक टैंक वाले शौचालयों की भरने के उपरांत सफाई करने का लक्ष्य निर्धारित है। ग्रामीण क्षेत्रों में जिस भी व्यक्ति का सेप्टिक टैंक भर जाता है उसे खाली करने हेतु अपने ग्राम पंचायत के माध्यम से ग्राम पंचायत गम्हरिया के सरपंच सचिव से संपर्क स्थापित किया जाता है। ग्राम पंचायत गम्हरिया के द्वारा न्यूनतम दर में डिस्लज वाहन के माध्यम से सेप्टिक टैंक के मलीय कीचड़ को फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट में लाकर प्रबंधन किया जाता है। किसी हितग्राही का सेप्टिक टैंक भर गया हो तो ग्राम पंचायत गम्हरिया के सरपंच मोबाईल नम्बर 9516260516 एवं सचिव 8839170051 से संपर्क स्थापित कर सेप्टिक टैंक की सफाई करा सकते है।

जिले के किसानों को मिल रहा योजनाओं का लाभ

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार किसानों को ग्रीष्म काल में धान के बदले अन्य फसल लगाने के लिए उद्यान विभाग की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। किसानों को उचित मार्गदर्शन और अच्छी किस्म की बीज एवं आदान सामग्री भी प्रदान किया जा रहा है। जिसे कृषक उत्साह के साथ दलहन-तिलहन लगाकर कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं। पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम कृषक अरूण कुमार भगत ने ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहन-तिलहन मक्का योजना के तहत अपने रकबा-1.500 हे. में से रकबा-1.00 हे. में मक्का लगाए हैं। कृषक अरुण मक्का किस्म-कॉर्न 9544 बीज एवं आदान सामग्री वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पत्थलगांव से प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि मक्का के उत्पादन से प्रति हेक्टेयर 35 हजार रूपए लाभ प्राप्त होने की संभावना है। कृषक अरुण ने विभागीय योजनाओं से लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

कैप्सूल वाहन की चमेप में आने से स्कुटी सवार युवती की मौत

■ थाना प्रभारी राजीव श्रीवास्तव व स्टाफने दिखाई मानवता लाश को एकत्रित कर पहुंचाया मर्चुरी

बम्हनीडीह। बम्हनीडीह एक स्कुटी में दो बहनें अपने घर बिर्रा से जांजगीर जा रही थी तभी बम्हनीडीह थाना क्षेत्र ग्राम अमोदी के पास उन्हें कैप्सूल वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया जिससे मौके पर एल एल बी की पढ़ाई पुरी कर चुकी कुमारी उमा कश्यप पिता धरनीधर कश्यप उम्र 23 वर्ष को कैप्सूल वाहन क्रमांक सी जी 12 ए यू 2841 ने की चपेट में आने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई बताया जा रहा है की घटना इतनी दर्दनाक थी की लाश कई भागों में विभाजित हो गया था जिसे बम्हनीडीह थाना प्रभारी राजीव श्रीवास्तव व थाना स्टाप ने मानवता का परिचय देते हुए तत्काल उठा कर एक जुट किया और तत्काल लाश को उठाकर मर्चुरी पहुंचा वही घटना के बाद से कैप्सूल चालक वाहन को थोड़ी दुर में खड़े कर फरार हो गया था वाहन को पुलिस में अपने कब्जे में लेकर बम्हनीडीह पुलिस ने कैप्सूल चालक के खिलाफ मामला दर्ज जांच कर रही है।

सामाजिक सहायता योजनाओं से सूरजपुर में 73 हजार से अधिक हितग्राही लाभान्वित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-समाज कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत कुल 06 पेंशन योजना इ.गा.रा. वृद्धावस्था पेंशन, इ.गा.रा. विधवा पेंशन, इ.गा.रा.निःशक्तजन पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन,. सुखद सहारा पेंशन, और मुख्यमंत्री पेंशन योजना संचालित की जा रही है। सूरजपुर जिले में प्रतिमाह कुल 73023 हितग्राही डीबीटी के माध्यम से लाभान्वित हो रहे है।

उल्लेखनीय है कि इ.गा.रा. वृद्धावस्था पेंशन योजना से 60 वर्ष से 79 वर्ष तक 10037 लाभान्वित हितग्राही को प्रतिमाह राशि 500 रू. एवं 80 वर्ष से अधिक 5967 लाभान्वित हितग्राही को प्रतिमाह राशि 650 रू. प्रदाय किया जा रहा है।

इसके अलावा इ.गा.रा. विधवा पेंशन योजना से 4190 लाभान्वित हितग्राही को प्रतिमाह राशि 500 रू.प्रदाय किया जा रहा है। इ.गा.रा.निःशक्तजन पेंशन योजना से 957 लाभान्वित हितग्राही को प्रतिमाह राशि 500 रू.प्रदाय किया जा रहा है।सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से 12509 लाभान्वित हितग्राही को प्रतिमाह राशि 500 रु.प्रदाय किया जा रहा है। सुखद सहारा पेंशन योजना से 6348 लाभान्वित हितग्राही को प्रतिमाह राशि 500 रु.प्रदाय किया जा रहा है और मुख्यमंत्री पेंशन योजना से 33015 लाभान्वित हितग्राही को प्रतिमाह राशि 500 रू प्रदाय किया जा रहा है।

भूपेन्द्र राजवाड़े भाजपा मीडिया प्रभारी 14 महिलाएं भी मण्डल में शामिल

भाजपा सूरजपुर ग्रामीण मण्डल के कार्यकारिणी में45 सदस्यों की टीम

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- भारतीय जनता पार्टी के सूरजपुर ग्रामीण मण्डल की नई कार्यकारिणी का गठन हो गया है। 45 सदस्यों वाले कार्यकारिणी में एक अध्यक्ष, 4 उपाध्यक्ष, 2 महामंत्री सहित 14 महिलाओं को पार्टी संगठन के द्वारा जवाबदारी सौंपी गई है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंहदेव के निर्देशानुसार भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्री पवन साय की अनुशंसा पर जिलाध्यक्ष श्री मुरली मनोहर सोनी ने भाजपा सूरजपुर ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष श्री विजय नारायण की सहमति से नई कार्यकारिणी का विस्तार किया है। नई कार्यकारिणी में श्री विजय नारायण राजवाड़े को भाजपा सूरजपुर ग्रामीण मण्डल के अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। अन्य पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर रामविलास सिंह, सतवीर सिंह, सोनामनी सिंह, राज्यपाल सिंह, महामंत्री तिलक राम राजवाड़े व प्रमिला प्रजापति, कोषाध्यक्ष अजय कुशवाहा को नियुक्त किया गया है। मंत्री पद पर देवनारायण मिस्त्री, भोला विश्वकर्मा, हिरामनी सिंह व लुनावती राजवाड़े को चुना गया है। भूपेन्द्र कुमार राजवाड़े को मीडिया प्रभारी व शिवराज सोनी को सह मीडिया प्रभारी बनाया गया है। वहीं कार्यकारिणी सदस्यों में सरस्वती सिंह, बबली ठाकुर, रीता राजवाड़े, सुखमेन राजवाड़े, धनेश्वरी राजवाड़े, बाबी राजवाड़े, सबुतरी सोनवानी, कमला बाई, सुनीता देवांगन, शारदा राजवाड़े, अनिता मानिकपुरी, गीता सिंह, महेन्द्र सिंह, मनोज सिंह, कुवंर साय सिंह, बोधन सिंह, रमाशंकर सिंह, दुलार सिंह, सुरेन्द्र सिंह, देव कुमार सिंह, ईश्वर प्रसाद राजवाड़े, देवेन्द्र सिंह, संजय देवांगन, टेकराम, देवेन्द्र कुमार राजवाड़े, पारस राम राजवाड़े, संतोष विश्वकर्मा, अरविंद सिंह, शिवप्रताप विश्वकर्मा व प्रकाश राम भगत को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। मण्डल अध्यक्ष विजय नारायण राजवाड़े ने कहा कि भाजपा ग्रामीण मण्डल सूरजपुर की नई कार्यकारिणी पार्टी की नीतियों के अनुरूप काम करेगी। नवनियुक्त सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य जनसेवा को प्राथमिकता देंगे। सभी लोग संगठन की योजनाओं को आम जन मानस तक पहुंचाने के लिए काम करेंगे। इधर दूसरी ओर भाजपा ग्रामीण मण्डल के कार्यकारिणी की घोषणा होने के बाद भाजपा के नवनियुक्त पदाधिकारियों के समर्थकों में हर्ष का माहौल है। सभी नवनियुक्त पदाधिकारी व सदस्यों ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया हैं।

ठेकेदार मरम्मत की समय अवधि पूर्ण होने की बात कह कर सुधार से किया इनकार

ठेकेदार की लापरवाही से एक दो महीना भी नहीं जली राष्ट्रीय राजमार्ग की स्ट्रीट लाइट

■ ठेकेदार के खिलाफलाम बंद हुए ग्रामीण कलेक्टर से की शिकायत

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सूरजपुर- बिश्रामपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर लगी सड़क की बत्तियां ग्राम सतपता से कुरूंवा तक सभी एक वर्ष से बंद पड़ी है जिससे पूरा यह मार्ग अंधेरा में डूबा हुआ है जिससे हर महीने बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती है। ग्रामीणों द्वारा संबंधित ठेकेदार को शिकायत करने पर वह मरम्मत की समय अवधि पूर्ण होने की बात कह कर सड़क बत्ती सुधार से इनकार कर रहा है। बार-बार ग्रामीणों द्वारा ठेकेदार से सुधार की गुजारिश करने के बाद भी ठेकेदार की कानों में जू नहीं रेंगती परेशान होकर ग्रामीणों ने कलेक्टर सूरजपुर एस जयवर्धन को ज्ञापन सौंप कर सड़क की बत्तियां सुधारने एवं ठेकेदार के खिलाफ जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर एस जयवर्धन को ज्ञापन सौंप ठेकेदार के खिलाफकी कार्रवाई की मांग- ग्राम सतपता एवं कुरुवा के दर्जन भर ग्रामीणों ने कलेक्टर सूरजपुर एस जयवर्धन को ज्ञापन सौंप कर ठेकेदार के द्वारा किया गया घटिया एवं स्तरहीन स्ट्रीट लाइट खरीदी की जांच एवं दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित ठेकेदार स्वयं कार्य न कर अनुभवहीन पेटी कॉन्टैक्टर के माध्यम से घटिया स्ट्रीट लाइट लगवा दी गई जो ज्यादा से ज्यादा एक माह के बाद दोबारा जली ही नहीं। कलेक्टर को सौंपने वाले ज्ञापन में अशोक गुप्ता ,लक्षण सिंह ,ईश्वर प्रसाद, श्यामलाल,जयप्रकाश, श्याम केश्वर आदि शामिल है।

दुर्घटनाजन्य एवं जानलेवा खतरनाक मोड़ है कुरुवां मोड- राष्ट्रीय राजमार्ग 43 विश्रामपुर सूरजपुर के बीच रिहंत नदी से पहले स्थित कुरुवा मोड जानलेवा मोड़ के नाम से विख्यात है ।इस मार्ग पर छत्तीसगढ़ ढाबा मोड भी दुर्घटनाओं के लिए जाना जाता है, इन दोनों मोड़ पर कोई ऐसा दिन नहीं है जहां छोटी बड़ी वाहने आपस में नहीं टकराती । वर्ष में छत्तीसगढ़ से लेकर रिहंद नदी मार्ग में कई बड़ी सड़क दुर्घटना हो चुकी है और प्रतिवर्ष आधा दर्जन लोगों की जाने जाने की फुल गारंटी रहती है इन्हीं सब कारणों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की थी परंतु ठेकेदार द्वारा साल भर की गारंटी देने की बात कह कर अब मरम्मत करने से इनकार कर रहा है। सड़क की सभी बत्तियां बिगड़ जाने के कारण मार्ग पूरा अंधेरा में डूबा रहता है जिस कारण से सड़क दुर्घटनाओं में और वृद्धि हो गई है परंतु इस ओर किसी का जनहित में ध्यान न जाने से दुर्घटनाएं होने की वजह बढ़ती जा रही है

मार्ग से प्रतिदिन कम से कम दो बार आना जाना करते हैं एस पी - कलेक्टर- सूरजपुर बिश्रामपुर मार्ग से प्रतिदिन विश्रामपुर में रहने वाले सूरजपुर जिला के उच्च अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी प्रतिदिन कम से कम दो दो बार आना जाना करते हैं परंतु उन्हें इसओर ध्यान नहीं जा रहा है ।बता दें कि सूरजपुर जिला मुख्यालय होने के कारण वहां पदस्थ जिले का प्रमुख अधिकारी एसपी-कलेक्टर का निवास विश्रामपुर में ही है, इस कारण से वे सभी सूरजपुर कार्य हेतु अपने कार्यालय प्रतिदिन दो-दो बार आना-जाना करते हैं। इसी तरह अन्य विभाग के अधिकारी भी अधिकतर विश्रामपुर में ही रहते हैं वह भी इस मार्ग से आना-जाना करते हैं बाकी तो राष्ट्रीय राजमार्ग होने के कारण इस मार्ग पर 24 घंटे निरंतर गाड़ियां आना जाना करती रहती है। ताजुब की बात यह है कि इस मार्ग में हर दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होती हैं परंतु प्रशासन के बड़े अधिकारी भी इस ओर नहीं पहल कर पा रहे हैं जिससे आम लोगों का भरोसा अधिकारियों पर से भी उठता जा रहा है। ग्रामीणों ने इस ओर उच्च अधिकारियों से तत्काल उचित पहल करने की मांग की है।

संपादकीय

फिर भी बाज नहीं आया पाकिस्तान...

सुरेश कुमार

यह जरूर लिखना चाहूंगा कि भारतीय सेना द्वारा किया गया एयर स्ट्राइक समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। हम सभी जानते हैं कि भारत विश्व का प्राचीनतम राष्ट्र है। इसने कभी भी किसी अन्य देश पर सैन्य आक्रमण नहीं किया है। हां, बाह्य आक्रमण होने पर प्रतिरक्षात्मक कदम अवश्य उठाए हैं 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए बर्बर कायर हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। अपने 28 निहत्थे, निर्दोष बेटों की नृशंस हत्या पर भारत माता शोकमग्न थी। सारा देश प्रतिशोध की ज्वाला में धधक रहा था। ऐसे माहौल में भारतीय सेना के आप्रेशन सिंदूर ने समस्त भारत को गौरवान्वित किया है। भारतीय सेना की दूरदर्शिता ने सबका मन मोह लिया है। इसे कहते हैं एक तीर से कई निशाने साध लेना : 1. जहां पहलगाम में आतंकियों ने हिंदू-मुस्लिम जहर को हवा देने के लिए हिंदुओं को चुन-चुन कर मारा, ताकि पूरे देश में धार्मिकता के नाम पर कट्टरपंथी ताकतों द्वारा देश को गृहयुद्ध में धकेला जा सके, हमारी सेना ने जवाब में संदेश दे दिया कि पूरा भारत एक है, आतंकियों द्वारा हमारे देश को धर्म के नाम पर बांटने की साजिश को नकार दिया। यह उनके मुंह पर जोरदार तमाचा है। हिंदू स्त्री की सिंदूर की मर्यादा की रक्षा की लड़ाई में मुस्लिम युवती सोफिया कुरैशी ने सबसे पहले तोप कमान अपने हाथ में ली। यही है भारतीय सभ्यता और संस्कृति। 2. दूसरी तरफ पूरी दुनिया को भी संदेश दिया कि भारत में लडक़ा-लडक़ी एक समान है, आज के भारत में लैंगिक भेदभाव नहीं होता। 3. तीसरी बात यह कि देश की बहनों को भी एक उत्साहवर्धक मैसेज दिया है कि बेटी को पढ़ा लिखा कर काबिल बना दिया जाए, तो नारीशक्ति भी पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल सकती है। देश की उन्नति में सहभागिता कर सकती है। कल तक जहां कोई लडक़ी सपने में भी सेना में जाने का सोच भी नहीं सकती थी, आज वहां उच्च पदों पर लड़कियां विराजमान हैं। अब हर युवा लडक़ी सेना में जाने का ख्वाब देखने लगेगी। 4. सबसे बड़ा तमाचा उस पुरुष प्रधान समाज पर है, जो आज भी औरतों को सिर्फ घर-गृहस्थी, वंश वर्धन के लिए बच्चे पालने और किचन तक ही सिमटा कर रखना चाहते हैं। जोरदार सैल्यूट बनता है भारतीय सेना कोञ। हमें आप पर गर्व है। इसके अतिरिक्त वतन की शेरनी कर्नल सोफिया कुरैशी का इंडिया आर्मी को रिप्रजेंट करते हुए प्रेस कान्फ्रेंस करना बेहतरीन कदम है। यह सब आधुनिक भारत में महिला सशक्तिकरण और मुस्लिम देशभक्ति का प्रतीक है। भारतीय मुसलमान बाई बर्थ और बाई च्वाइस इंडियन है। यह जरूर लिखना चाहूंगा कि भारतीय सेना द्वारा किया गया एयर स्ट्राइक समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। हम सभी जानते हैं कि भारत विश्व का प्राचीनतम राष्ट्र है। इसने कभी भी किसी अन्य देश पर सैन्य आक्रमण नहीं किया है। हां, बाह्य आक्रमण होने पर प्रतिरक्षात्मक कदम अवश्य उठाए हैं। भारत पर बाह्य आक्रमण का सिलसिला सिकंदर से प्रारंभ होता है, जो आज भी यथावत जारी है। केवल आक्रमण के स्वरूप में परिवर्तन हुआ है। भारत पर बाह्य-आक्रमण के दो प्रमुख कारण हैं। पहला कारण आक्रमणकारी देश की विस्तारवादी नीति होती है। वह दूसरे देश को हड़प लेना चाहता है। दूसरा कारण भारत की आर्थिक समृद्धि के प्रति उसका आकर्षण होता है। धन-धान्य से परिपूर्ण वैभवसंपन्न भारत का वह मालिक बनना चाहता है। भारत की स्वतंत्रता के पूर्व तथा उसके पश्चात होने वाले आक्रमण को हमारे देश के नेतृत्व ने सही ढंग से नहीं समझा, यह हमारे देश का दुर्भाग्य रहा है। पहले एक लुटेरा सैन्य बल के साथ आता था, आतंक मचाता था, लूटपाट करता था, मंदिरों को ध्वस्त करता था, बहन-बेटियों के सम्मान से खेलता था तथा अनेक बेगुनाहों की हत्या करता था, फिर वह वापस चला जाता था। लेकिन हमने पाकिस्तान बनाकर उसे अपना पड़ोसी बना दिया। उसे एक मुस्लिम देश के रूप में मान्यता भी दे दी। उसे एक स्थायी शत्रु के रूप में प्रस्थापित कर दिया। अब वह गोला-बारूद, टैंक-तोप, परमाणु बम आदि बनाकर बहुत ही सुनियोजित ढंग से बाकी बचे भारत को हथियाने का प्रयास कर रहा है। पाकिस्तान बनाकर हमने सोचा था कि समस्या का अंत हो गया। अब हम परिवार के साथ सुख-चैन से जी सकेंगे, अपने मंदिरों में पूजा-अर्चना कर सकेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 'हंस के लिया है पाकिस्तान। लड़ के लेंगे हिंदुस्तान।।' यह उनका पुराना मंसूबा है। उस मंसूबे को पूरा करने के लिए वह आतंकवाद, तस्करी, लव जिहाद आदि का सहारा लेता है। अब उसकी दृष्टि में पूरा भारत है। धीरे-धीरे जनसंख्या वृद्धि कर एवं मजहबी उन्माद बढ़ाकर वह भारत को कई टुकड़ों में बांटना चाहता है। अत: केवल एयर स्ट्राइक से समस्या का स्थायी समाधान होने वाला नहीं है। पाकिस्तान को लेकर इस समय भारतीय सेना को कोई ठोस फैसला करना चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान कोई देश नहीं अपितु एक जहरीली सोच और खूनी मानसिकता है। यह जगजाहिर है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ हमेशा से षड्यंत्र बुनता रहा है। वह आतंकवादियों को प्रशिक्षण देता रहा है और भारतीय क्षेत्र में उनकी घुसपैठ भी करवा रहा है। ऐसे घुसपैठिए ही भारत में खून-खराबा करता रहे हैं। उन्हें अब कड़ा सबक सिखाने की निहायत ही जरूरत है। संघर्ष विराम के बावजूद पाकिस्तानी सेना भारत के खिलाफ अपनी हिंसक कार्रवाई छेड़े हुए है। आतंकवादियों का काफी हद तक भारतीय सेना ने सफाया कर दिया है, लेकिन अब सीधे पाकिस्तानी सेना भारत को उकसाने के लिए जो कुछ उससे संभव हो रहा है, वह कर रही है। इस समय भारतीय सेना को कोई ठोस फैसला लेने की पूरी आजादी दी जानी चाहिए। भारत के भीतर बचे-खुचे अलगाववादियों को भी चिन्हित करके उन्हें कड़ा सबक दिया जाना चाहिए। जहां-जहां, जिस मोर्चे पर लड़ाई की हमारी तैयारियों में कहीं कोई कमी नजर आती है, तो उसे भी दुरुस्त किया जाना चाहिए। इस समय सियासत भी नहीं होनी चाहिए। किसी भी दल या नेता को कोई ऐसा बयान जारी नहीं करना चाहिए जिससे शत्रु पक्ष को कोई लाभ मिले। यह अच्छी बात है कि इस समय देश के राजनीतिक दल सोच-समझ कर बयान जारी कर रहे हैं और सेना के साथ एकजुट खड़े दिखाई दे रहे हैं। हमें देश के भीतर के शत्रुओं से भी सचेत रहना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान भारत की छवि को धूमिल करने के प्रयास कर रहा है। ऐसे प्रयासों को भी भारत को निष्फल करना होगा। भारत को अपनी छवि एक शांतिप्रिय देश के रूप में बनाए रखने के प्रयास करने होंगे। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, फिर भी यहां पर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। भले ही केंद्र सरकार के धारा 370 व 35 ए निरस्त करने के बाद कश्मीर में आतंकी घटनाओं में काफी गिरावट व विकास कार्य गति पकड़ रहे थे, लेकिन आतंकवादियों ने पहलगाम में यह मजहबी आतंकवादी हमला करके गोलियां केवल हिंदुओं पर नहीं, बल्कि कश्मीरियत, पर्यटन, रोजगार व विकास पर मारी हैं। सरकार हर स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य कर रही है, मगर कहा जाता है कि लातों के भूत बातों से कहां सुधरते हैं। जिन्हें जन्नत का शौक है, उन्हें देश की सेना ने जहन्नुम की यात्रा करवा दी है। कुंठित मानसिकता व मजहबी कसक खतरनाक होती है। कर्नाटक के शिवमोगा जिले के निवासी मंजूनाथ राव (47) अपने परिवार-पत्नी पल्लवी राव और बेटे अभिजय (18) के साथ छुट्टियां मनाने के लिए पहलगाम पहुंचे थे। मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने वाले इस क्षेत्र में उनका सैर-सपाटा खूनी मंजर में तब्दील हो गया। पल्लवी ने हमले के बाद एक रिश्तेदार को फोन पर बताया कि शुरुआत में उन्हें लगा कि यह सेना का कोई अभ्यास है, लेकिन कुछ ही देर में सब कुछ बदल गया। जैसे ही वे बस से उतरकर घास के मैदान की ओर बढ़े, आम कपड़ों में एक आतंकी ने उनके पति को सिर में गोली मार दी।

पटाखों के पूर्ण-प्रतिबंध पर केंद्र मुस्तैद हो.....

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में पटाखों पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने को कहा है वरना अवमानना की कार्रवाई होगी। अदालत ने उप्र, राजस्थान और हरियाणा सरकार से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत निर्देश जारी करने को कहा है, जिसमें पटाखों का निर्माण, बिक्री, भंडारण और ऑनलाइन उपलब्धता पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। कोर्ट ने ईपीए की धारा 5 के तहत जारी निर्देशों को राज्यों के सभी कानून प्रवर्तन तंत्रों के माध्यम से सख्ती से लागू करने की बात की। पटाखों को पूर्णतया प्रतिबंधित करने के बावजूद विभिन्न त्योहारों और हर्षोल्लास वाले मौकों पर आतिशबाजी रोकने में सरकार बुरी तरह असफल नजर आ रही है। वायु, जल, कचरा, उद्योग से पहले ही प्रदूषण बहुत है, जिसमें मिल कर पटाखा प्रदूषण मानव जीवन के लिए खतरा बढ़ाने वाला साबित होता है। पटाखा उत्पादन में भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है, जिसमें सबसे ज्यादा पटाखे (तकरीबन 85त्न) तमिलनाडु के शिवकाशी में बनते हैं। वहां पांच सौ से अधिक इकाइयों में छोटे-बड़े पटाखों का निर्माण होता है। शीर्ष अदालत पहले भी दिल्ली एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगाने की बात कह चुकी है। बावजूद पटाखों की बिक्री साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। अंदाजे के अनुसार, गये साल पटाखों की खुदरा बिक्री छह हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। उप्र, बिहार और गुजरात में इनकी जबरदस्त मांग है। पटाखे जलाने और इनसे पर्यावरण को नुकसान को लेकर जनजागरूकता जरूरी है। हालांकि इसमें प्रसिद्ध शख्सियतों समेत राजनीतिक हस्तियों और बड़े दलों को आगे आना होगा और उनके यहां होने वाले उत्सवों/हर्षोन्माद के दौरान पटाखों को सख्ती से प्रतिबंधित करना होगा। पटाखा उद्योग ने बेशक, लाखों लोगों को रोजगार दिया है, मगर उसे सीमित किए बगैर आतिशबाजी की बिक्री थामना दुष्कर होगा। प्रदूषण के चलते होने वाले घातक रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक है कि कुछ कड़े कदम फौरन उठाए जाएं। अदालत की बार-बार घुड़की के बावजूद सरकारों और प्रशासन के कानों में जूं रेंगती नहीं नजर आ रही, बल्कि जब भी पटाखों के खिलाफ अभियान चलाया जाता है, या कोई शख्सियत आवाज उठाती है, तो जनता उल्टा उस पर कटाक्ष करने और ट्रोलिंग करने पर उतारू हो जाती है। युवाओं और किशोरों के बीच पटाखों के दुष्परिणामों पर खुल कर चर्चा हो और राज्य सरकारों पर पटाखों के पूर्ण-प्रतिबंध पर केंद्र मुस्तैद हो।

आलेख

पाकिस्तानियों का सरकार और सेना पर से भरोसा टूटा

हरिशंकर व्यास

वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में लोगों का सरकार और सेना पर भरोसा टूटा। उसकी सैन्य कार्रवाईयों के किसी भी दावे पर लोगों को भरोसा नहीं हो रहा है। सूत्रों ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से पूछा कि उनके पास क्या सबूत है कि उनकी सेना ने भारत के लड़ाकू विमान को मार गिराया है तो उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया देखिए। पाकिस्तान के एक सांसद ने इसे लेकर अपने रक्षा मंत्री का मजाक उड़ाया। इससे पहले दो मौकों पर 2016 और 2019 में भारतीय सेना की कार्रवाई पर भारत में सवाल उठे थे और सबूत मांगे गए थे। इस बार भारत में पूरा देश एकजुट है, जबकि पाकिस्तान में उसकी सेना की कार्रवाई के सबूत मांगे जा रहे हैं। पाकिस्तान में कैसे लोगों का मनोबल गिरा हुआ है इसकी एक मिसाल पाकिस्तानी संसद में देखने को मिली, जब भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद संसद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन के एक सांसद फूट फूटकर रोने लगे। पाकिस्तानी सांसद ताहिर इकबाल ने रोते हुए संसद में कहा, 'या खुदा आज बचा लो। दुआ करते हैं कि अल्लाह हमारे मुल्क की हिफाजत करे और हमें आपस में जोड़कर रखे'। हालांकि उन्होंने भी धर्म के आधार पर ही देश को बचाने की अपील की और कहा कि अल्लाह ने यह मुल्क अता किया है। इसके बावजूद लोगों में जोश नहीं लौट रहा है। एक पूर्व पाकिस्तानी सांसद का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें वे कह रहे हैं कि मोदी कोई उनकी खाला का लड़का है, जो उनके कहने पर युद्ध रोका देगा। इसके आगे वे कहते हैं कि युद्ध होगा तो देश छोड़ कर विदेश भाग जाएंगे। जाहिर है पाकिस्तान के लोगों को अपनी सरकार और सेना पर भरोसा नहीं है कि वह उनकी रक्षा कर पाएगी। बहरहाल, पाकिस्तान के सांसद के रोने के वीडियो वायरल होने के बाद देखने को मिला कि पाकिस्तान के न्यूज चैनल अपने नेताओं और नागरिकों का भरोसा बढ़ा रहे हैं। वे नेताओं से कह रहे हैं कि वे रो कर अपनी कमजोरी नहीं जाहिर करें। लेकिन पाकिस्तान का रोना पीटना बंद नहीं हो रहा है। इस बीच पाकिस्तान के इकोनॉमिक अफेयर डिवीजन के एक्स हैंडल से दुनिया के देशों से कर्ज मांगने की पोस्ट वायरल हो गई। पाकिस्तान की आर्थिक हालत का हवाला देकर कर्ज मांगा जा रहा था। पोस्ट वायरल होने के बाद पाकिस्तान की ओर से कहा गया है कि उसका हैंडल हैक हो गया है और पोस्ट फर्जी है। लेकिन पाकिस्तान के ही लोग मान रहे हैं कि यह पोस्ट सही हो सकती है क्योंकि देश कंगाली की हालत में है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के पास 15 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा, जबकि उसको एक साल में 30 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना है। बहरहाल, छह और सात मई की दरम्यानी रात को भारत की ओर से किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लगाई गई पाबंदी हटा दी है। कोई 15 महीने पहले पाकिस्तान ने एक्स पर पाबंदी लगाई थी। उसका कहना है कि सोशल मीडिया में पाकिस्तान विरोधी नैरेटिव चल रहा है, जिसका उसको जवाब देना है। उसने पांच सौ अकाउंट बंद भी किए हैं। अब यह पता लगाया जा रहा है कि ये हैंडल संचालित कर रहे लोग पाकिस्तान के ही हैं या बाहर से कहीं से इन्हें संचालित किया जा रहा है। असल में पाकिस्तान का सोशल मीडिया भारत की सैन्य कार्रवाई और बलोच विद्रोही सेना द्वारा पाकिस्तानी फौज पर किए जा रहे हमले से भरा है। इतना ही नहीं ऐसा लग रहा है कि पाकिस्तान का शासन अपने लोगों को भारत के खिलाफ भड़काने में लगा है। पाकिस्तानी लोगों के मन में भारत विरोधी भावना भरी जा रही है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल ने भारतीय दवाओं पर निर्भरता को देश के लिए खतरा बताया है। उन्होंने दवा कंपनियों से इस निर्भरता को कम करने के लिए कहा है। मुस्तफा ने भारत को गैर भरोसमंद दुश्मन बताते हुए कहा कि भारतीय दवाओं को कम से कम इस्तेमाल किया जाए। पाकिस्तान की असली चिंता यह है कि उसे इस्लामिक मुल्कों से भी समर्थन नहीं मिल रहा है। उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई तो ईरान के विदेश मंत्री भारत में थे और उसके बाद सऊदी अरब का प्रतिनिधिमंडल भारत आया।

पहले तो यमुना को नदी बनाएं

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

इस वर्ष हुआ दिल्ली विधानसभा चुनाव बहुत कुछ यमुना नदी जल के पीने, उसमें डुबकी लगाने और हरियाणा से मिलते प्रदूषित पानी के मुद्दों पर भी केंद्रित था। हो भी क्यों न। दिल्ली अपनी एक तिहाई पेयजल आपूर्ति के लिए यमुना पर निर्भर करती है। प्राथमिक रूप से जल की मात्रा और गुणवत्ता वही होती है, जो हरियाणा से मिलता है। उपभोक्ताओं को कितना पानी दिया जा सकेगा यह भी उसी पर निर्भर करता है। कम पानी आ रहा हो तो वजीराबाद जलाशय का जल स्तर गिर जाएगा। सामान्य दिनों में वजीराबाद से पानी निकलने के बाद यमुना में केवल कीचड़ और मलबा रह जाता है। हरियाणा में घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट यमुना में मिलता ही है। सालों से भारी मात्रा में अमोनिया प्रदूषण लिए पानी दिल्ली पहुंचता रहा है। कई बार यह दिल्ली के जलशोधन संयंत्रों की क्षमता से सात-आठ गुणा ज्यादा तक होता है। अमोनिया का स्वीकार्य स्तर केवल 05 पीपीएम है। ऐसे में यमुना में अमोनिया का स्तर नीचे गिरने का इंतजार भी करना पड़ता है किंतु दिल्ली के भीतर हरियाणा से पहुंचे यमुना नदी जल में प्रदूषण भार साठ-सत्तर प्रतिशत बढ़ जाता है। यमुना में उठते गैस के गुब्बारों में भी यमुना का प्रदूषण और उसका दम तोड़ना नंगी आंखों दिख जाता है। ऐसा अमोनिया और फास्फेट के कारण सड़े हुए पेड़-पौधों की सड़न के कारण होता है। जैवीय मल-मूत्र का प्रदूषण दिल्ली में यमुना में काफी ज्यादा है। कॉलिफॉर्म बहुत ज्यादा होने से यमुना में घुली ऑक्सीजन का स्तर गिरा रहता है। नदी जल में ऑक्सीजन की कमी से जलचरों की मौत का आंकड़ा भी बढ़ जाता है। यमुनोत्री से दिल्ली तक की यात्रा में जगह-जगह यमुना जल में सीवर जल, गंदे नालों का मिलना आज भी जारी है। रास्ते में मिलते घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट की भरमार से भूरी-पीली-धूसर-काली होती यमुना में दिल्ली में भारी मात्रा में अनुपचारित और आंशिक उपचारित सीवर जल पहुंचता है। अगस्त, 2024 को डीजेबी ने एनजीटी को दिए शपथपत्र में बताया था कि दिल्ली में चालीस एसटीपी हैं, जिनमें से सारे काम नहीं कर रहे हैं। यमुनोत्री से दिल्ली की राह में यमुना के पानी का डायवर्जन पहली बार उत्तराखंड में ही डाकपत्थर में बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है। फिर हरियाणा में हथिनीकुंड और ताजेवाला-यमुनानगर में नहरों के लिए होता है। सूखे के मौसम में बैराज से पानी नहीं छोड़ा जाता है जिससे ताजेवाला और दिल्ली के बीच के कुछ-कुछ हिस्सों में नदी लगभग जलशून्य हो जाती है। जल संसाधन मंत्रालय संबंधी संसदीय स्थाई समिति की रिपोर्ट के अनुसार नदी जल में घुले आक्सीजन की मात्रा की अत्यंत कमी के कारण दिल्ली में यमुना अस्तित्वविहीन सी हो चुकी है। सुझाव दिया गया कि यमुना में ताजा पानी और उसके पानी में घुले ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिए काम होने चाहिए। वजीराबाद के परिप्रेक्ष्य में संसदीय समिति का मूल्यांकन था कि वजीराबाद के नीचे यमुना में ताजे पानी की इतनी कमी है कि मानकों के अनुसार सारा सीवेज यदि उपचारित भी होने लगे तब भी यमुना प्रदूषित ही रहेगी। दिल्लीवासियों को जल आपूर्ति एक तरह से यमुना को निचोड़ कर ही हो रही है। हर साल यमुना में कई-कई दिनों तक पानी नहीं केवल कीचड़ ही कीचड़ दिखता है। करीब नौ माह तो यमुना में इतना पानी भी नहीं रहता कि वह ठीक से बह सके। एलगी का भी जमाव होता रहता है। एलगी भी नदी की ऑक्सीजन को कम करती हैं खासकर जब वो सड़ती हैं, उनमें विघटन होता है। वे जल में स्वास्थ्य के लिए घातक प्रदूषण भी पैदा कर सकती हैं। बिना पानी, बिना प्रवाह यमुना को दिल्ली में नदी भी कैसे कहा जाए। सुप्रीम कोर्ट भी कुछ साल पहले यमुना को नाला की संज्ञा दे चुका है। आठ नौ माह तो दिल्ली के भीतर यमुना में ताजा पानी बढ़ाने की संभावनाएं नगण्य ही रहती हैं किंतु सालों साल गाद, मलबा से अटी-पटी होने के कारण जल संग्रहित करने की गहराई कम होने से यमुना को बरसात का भी फायदा नहीं मिलता। तेज बरसात में जल्दी से बाढ़ का उभार होने लगता है। अत: यमुना में ज्यादा पानी नहीं रुक पाता। कूड़ा निकासी हो तो दिल्ली में उसके जलसमेट क्षेत्र से मिलने वाले ज्यादा से ज्यादा बरसाती जल संग्रहण में भी मदद मिलेगी। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा का कहना है कि नई सरकार बनने के दस दिनों में ही यमुना से 13 हजार टन गाद की निकासी हो गई थी। गाद हटाने के काम में यमुना स्वच्छता मिशन बहुत पिछड़ा हुआ था। इसलिए दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने नई राज्य सरकार के गठन से पहले ही अधिकारियों को निर्देश देकर भारी मशीनों से यमुना गाद सफाई का काम प्रारंभ कर दिया था किंतु पूरी निकासी में महीनों लग सकते हैं। किंतु आशा की जानी चाहिए कि आने वाली बरसात में इसका फायदा मिलने लगेगा। यमुना के फ्लड प्लेन में अतिक्रमण के कारण बाढ़ के फैलाव का फायदा भी नहीं मिलता। पांच किमी. यदि फ्लड प्लेन की चौड़ाई हो तो उसमें भी एक किमी. दूरी तक भी पानी नहीं पसर पाता। फ्लड प्लेन खाली रहे तो जलविहीन यमुना और जैवविविधता को कुछ सहारा मिल सकता है। दिल्ली में वजीराबाद से पल्ला तक का यमुना का फ्लड प्लेन बाइस किमी. का है। इसका क्षेत्र 9,700 हेक्टेयर का है। इसमें से 7,362 हेक्टेयर पर लगभग 75 प्रतिशत पर अतिक्रमण है। जुलाई, 2024 में दिल्ली हाई कोर्ट ने भी डीडीए को फ्लड प्लेन के अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। आदर्श रूप में एक नदी में उसके सालाना प्रवाह की जल मात्रा का कम से कम आधा पानी हर बना रहना चाहिए। इसलिए आवश्यक है कि दिल्ली के लिए हरियाणा से ज्यादा पानी छोड़ा जाए और उसको निकालने का लालच न हो। अतिरिक्त पानी हरियाणा से आ भी जाए और तुरंत उसे निकाल कर उपभोक्ता को दे दिया जाए तो यमुना के हिस्से क्या रहेगा।

सोफिया और व्योमिका ने जगाई उम्मीद की किरण

योगेंद्र योगी

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भारत में महिलाओं का 81.8 प्रतिशत रोजगार अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में केंद्रित है। यह दर्शाता है कि भारत में अधिकांश महिला श्रमिक उच्च वेतन वाली नौकरियों में नहीं आ पाती हैं। भारत के चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2023 तक राज्य विधानसभाओं में कुल औसत महिला प्रतिनिधित्व सिर्फ13.9 प्रतिशत ह पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या करने के बदले में भारत की पाकिस्तान पर स्ट्राइक की सफलता की जानकारी देने वाली भारतीय सुरक्षा बलों की दो महिला सैन्य अधिकारियों ने देश में महिलाओं के विपरीत हालात के बीच महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण पेश किया है। देश भर में चर्चित लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और वायु सेना में विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने साबित कर दिया कि महिलाएं अदम्य साहस के साथ किसी भी चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। निश्चित तौर पर युद्ध जैसी स्थिति के दौरान इन दोनों सैन्य अधिकारियों ने जिस शानदार तरीके से स्ट्राइक का विवरण पेश किया, उससे न सिर्फ महिलाओं में उत्साह का संचार होगा बल्कि हर मुश्किल हालात से निपटने के लिए साहस का उद्गम होगा। पुणे में साल 2016 में आसियान प्लस देशों का बहुराष्ट्रीय फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास फोर्स 18 में 40 सैनिकों की भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व सिग्नल कोर की महिला अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी ने किया था। कुरैशी को बहुराष्ट्रीय अभ्यास में भारतीय सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी बनने का दुर्लभ गौरव हासिल हुआ। गुजरात निवासी सैन्य परिवार से आने वाली सोफिया कुरैशी साल 1999 में 17 साल की उम्र में शॉर्ट सर्विस कमीशन के जरिए भारतीय सेना में आई थीं। उन्होंने छह साल तक संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना में भी काम किया। इसमें साल 2006 में कॉन्गो में एक उल्लेखनीय कार्यकाल शामिल है। उस वक्त उनकी प्रमुख भूमिका शांति अभियान में ट्रेनिंग संबंधित योगदान देने की थी। सोफिया कुरैशी के अलावा ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी की ब्रीफिंग देने वाली विंग कमांडर व्योमिका सिंह दूसरी चर्चित अधिकारी थीं। व्योमिका सिंह भारतीय वायु सेना में हेलीकॉप्टर पायलट हैं। उनके नाम का मतलब ही आसमान से जोडऩे वाला है। नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की कैडेट रही व्योमिका सिंह ने इंजीनियरिंग की। उन्हें साल 2019 में भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग ब्रांच में पायलट के तौर पर परमानेंट

कमीशन मिला। व्योमिका सिंह ने 2500 घंटों से ज्यादा उड़ान भरी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत में मुश्किल हालात में चेतक और चीता जैसे हेलीकॉप्टर उड़ाए हैं। उन्होंने कई बचाव अभियान में भी अहम भूमिका निभाई है। इनमें से एक ऑपरेशन अरुणाचल प्रदेश में नवंबर 2020 हुआ था। इन दोनों महिला सैन्य अधिकारियों ने जिस आत्मविश्वास और दृढ़ता से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की गाथा पेश की, वह न सिर्फ देशवासियों के दिल-दिमाग में अमिट रहेगी बल्कि तमाम बाधाओं के बावजूद महिलाओं में आगे बढऩे की ललक कायम रखेगी। इनके जज्बे ने साबित कर दिया कि महिलाएं देश में हर क्षेत्र में तरक्की का परचम लहरा रही हैं, चाहे वह क्षेत्र सैन्य जैसा चुनौतीपूर्ण और साहसिक क्षेत्र ही क्यों न हो। देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में इन दोनों महिलाओं का प्रदर्शन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। महिलाओं के सपने पूरा करने में मदद करेगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का अग्रणी प्रदर्शन विकसित बनने की दिशा में अग्रसर भारत की नई तस्वीर पेश करता है। सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह जैसी देश का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की सफलता की प्रेरणा के बावजूद देश की आम महिलाओं के लिए अभी भी मंजिल आसान नहीं है। भारत में पितृसत्तात्मक मानसिकता और लैंगिक असमानता के चलते महिलाओं को विरोधाभासी भूमिकाएं निभाने के लिए मजबूर किया जाता है। महिलाओं की ताकत को यह सुनिश्चित करने के लिए उभारा जाता है कि वे बेटियों, माताओं, पत्नियों और बहू के रूप में पालन-पोषण करने वाली अपनी पारंपरिक भूमिकाएं प्रभावी ढंग से निभाएं। दूसरी ओर, एक 'कमजोर और असहाय महिला' की रूढ़िवादिता को बढ़ावा दिया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपने पुरुष समकक्ष पर पूरी तरह से निर्भर हैं। भारत में लैंगिक असमानता महिलाओं की वर्तमान स्थिति प्रगति और चल रही चुनौतियों के जटिल अंतर्संबंध से जुड़ी है। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं। हालांकि, गहराई से जड़ जमाए हुए सामाजिक मानदंड, आर्थिक असमानताएं और राजनीतिक चुनौतियां यह दर्शाती हैं कि भारत में लैंगिक असमानता अभी भी मौजूद है। विडंबना यह है कि हमारे भारतीय समाज में जहां महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता है, महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है और उन्हें समान अवसर से वंचित रखा जाता है। भारत में लैंगिक असमानता अंतर रिपोर्ट 2023 के अनुसार, लिंग समानता के मामले में भारत 146 देशों में से 127वें स्थान पर है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2019-21) के अनुसार, भारत में कुल लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाएं हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, गुरुवार 15 मई 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

विचक्षण जैन विद्यापीठ कि सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा (शैक्षणिक सत्र 2024-25) में विद्यालय का परिणाम 100 प्रतिशत रहा

रायपुर (विश्व परिवार)। विचक्षण जैन विद्यापीठ को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा (शैक्षणिक सत्र 2024-25) में विद्यालय का परिणाम 100 प्रतिशत रहा है। इस वर्ष कुल 36 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से कॉमर्स संकाय के छात्र अर्हम जैन ने 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उनकी यह उपलब्धि निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन का परिणाम है, जो अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा स्वरूप है। विद्यालय सभी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट सफलता पर हार्दिक बधाई देता है और इस सफलता के पीछे शिक्षकों एवं अभिभावकों के सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करता है। विचक्षण जैन विद्यापीठ प्रत्येक छात्र के सर्वांगीण विकास और शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ डोंगरगढ़ की कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड की छात्राओं ने रचा एक और नया इतिहास शत प्रतिशत रहा परिणाम

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ ने फिर छुआ एक बार आसमान प्रतिभास्थली में अध्यनरत छात्राओं ने

अपनी मेहनत और लगन से एक बार फिर बहुत ही अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त की और इस सफलता का संपूर्ण श्रेय उन शिक्षिकाओं को दिया जो बाल ब्रम्हचर्य व्रत को धारण करके उन्हें ज्ञान एवं शिक्षा प्रदान कर रही हैं। छात्राओं का परीक्षा परिणाम कुछ इस प्रकार रहा 10वीं क्लास में 96.6 प्रतिशत अक्षांशी, 94.2 प्रतिशत ऋषिता, 94 प्रतिशत दृष्टि, 12वीं 93.8 प्रतिशत आयुषी, 92 प्रतिशत अनुप्रेक्षा परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। सभी को डोंगरगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोगरे ने बधाई दी। आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ डोंगरगढ़ में संचालित हो रहा है जहां वर्तमान में प्रवेश अभी प्रारंभ है प्रवेश की प्रक्रिया कक्षा 1 से लेकर के 8 तक है। यह विद्यालय गुरुकुल पद्धति पर आधारित भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को जीवित रखने का अचूक प्रयास कर रहा है। यहां शिक्षा के साथ संस्कारों की नींव को सुदृण बनाने का कार्य बाल ब्रह्मचारिणी शिक्षिकाओं के द्वारा किया जाता है।

शामली में जैन समाज की बेटी सावी जैन ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में रचा इतिहास

उत्तर प्रदेश (विश्व परिवार)। उत्तर प्रदेश के शामली में जैन समाज की लाड़ली बेटी सावी जैन ने आज घोषित हुए CBSE बोर्ड के 12वीं के परीक्षा परिणाम में पूरे भारत में टॉप करते हुए 500 में से 499 अंक प्राप्त किए। बेटी ने परिवार के साथ देश और जैन समाज का नाम रोशन किया। आ. भा. जैन पत्रकार संघ ने बेटी के उज्जवल भविष्य की कामना करता है। बेटी आगे भी परिवार, जैन समाज और देश का नाम सदैव रोशन करती रहे।

सम्यकदर्शन करता है मुक्ति की नियुक्ति : भावलिंगी संत श्री विमर्शसागर जी मुनिराज

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। हमारे जीवन में सरलता की महती आवश्यकता है। सरलता आने पर ही हम अवने विचार में शुभ कार्य कर सकते है। सरल व्यक्ति सहजता में ही धर्ममार्ग को स्वीकार कर लेता है। जबकि कुटिल मनुष्य को धर्म में लगाना कठिन होता है। मान लीजिए कोई व्यक्ति सोया हुआ था वह तो जगाने पर जल्दी जाग जाता है। वह अनेक प्रयत्न के बाद भी नहीं जागता। ठीक उसी प्रकार सरल व्यक्ति शीघ्र ही धर्ममार्ग में तंग जाता है।

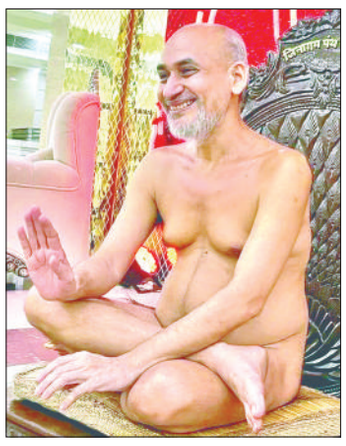

इस धरती पर जितने भी दर्शन अर्थात सच्चे देव शास्त्र गुरू की सच्ची श्रद्धा का मार्ग एकमात्र जिनेन्द्र भगवान के ही मत में है। चूंकि सम्यकदर्शन से भ्रष्ट अर्थात रहित जीव को कभी भी निर्माण की प्राप्ति नहीं होती । आचार्य भगवन श्री कुन्दकुन्द स्वामी ने धर्म की मूल जड़ सम्यदर्शन को बतलाया है। इस सम्यकदर्शन को कोई भी किसी को दे नहीं सकता । यह सम्यकदर्शन अर्थात श्रद्धा गुण जीव का अपना असाधारण गुण है। समान्य प्रत्येक जीव में निहित है, चूंकि आज तक संसारी जीव श्रद्धा गुण अतत्व की ही श्रद्धा करता रहा इसलिए संसारी जीव वह श्रद्धागुण मिथ्यादर्शन नाम पाता रहा। जब यहीं संसारी जीव अतत्व की श्रद्धा छोड़ तत्वों की श्रद्धा करने लगता है, सच्चे देव शास्त्र गुरू की सच्ची श्रद्धा लगता है तभी से उसका श्रद्धा गुण मिथ्यादर्शन नाम छोड़कर समयकदर्शन नाम धारण कर लेता है। ऐसा होते ही यह निश्चित हो जाता है कि यह जीव निकट भविष्य में मुक्ति - निर्वाण प्राप्त कर लेगा।

ज्येष्ठमास की गर्मी में प्रारंभ हुयी दंसण पाहुड वाचना की अमृत वर्षा

कुन्दकुन्द ने जिसे लखा, कुन्दकुन्द ने जिसे लिखा।।
भवि जीवों ने जिसे पढ़ा, साधु जनों में जिसे चखा।
वह दंसण पाहुड़ हो - हो - 2, सबके मन भाये रे।।
जीवन है पानी की बूंद, कब मिट जाये रे।।

इस मधुर पंक्तियों के साथ राजधानी दिल्ली के युमुना विहार के श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज ससंघ सानिध्य में श्री दिगम्बर जैन सभा यमुना बिहार ने आध्यात्मिक ग्रीष्म कालीन वाचना की आयोजन रखा । प्रात:काल की बेला में मंगल कलश स्थापना की गई। पुण्यर्जक परिवारों के द्वारा आचार्य गुरूवर के चरणों का प्रक्षालन परिवारों के द्वारा आचार्य गुरूवर के चरणों का प्रक्षालन, शास्त्र भेंट आदि प्राथमिक क्रियाओं सम्पन्न हुयी। स्थानीय महिला मण्डल के साथ प्रारंभिक मंगलाचरण सम्पन्न किया गया। प्रवचन स्थल पर ही वाचना पर्यन्त मां जिनवाणी को विराजमान किया गया।

परम पूत्य आचार्य गुरूवर ने अट्पाहुड़ ग्रंथ के प्रथम दंसणपाहुड गंथ को अपनी मंगल वाचना का विषय बनाया। प्रतिदिन दंसण पाहुण ग्रंथ की एक गाथा श्लोक की सार भूत व्याख्या आचार्य गुरूदेव श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज द्वारा धर्मसभा में की जाती है। प्रतिदिन प्रात: 08:00 बजे यमुना विहार जैन मंदिर में प्रारंभ हो जाती है। आध्यत्मिक अनुपन और अद्वितीय वाचना यूट्यूब पर वाचना सुनने क लिए जिनागम पंथ चैनल सब्सक्राईब करें।

राजधानी में संस्था '2050 हेल्थकेयर' ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। संस्था '2050 हेल्थकेयर' ने अपने अग्रोहा कॉलोनी, चंगोराभाटा स्थित केंद्र पर अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस सेलिब्रेशन का आयोजन किया। इस अवसर पर संस्था के द्वारा उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 22 नर्सिंग स्टाफ को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि नर्सिंग का स्वास्थ सेवा के क्षेत्र में विश्व में मातृवत स्थान है। आज नर्सिंग दिवस पर सारी दुनिया उनकी ऋणी है।

संस्था के मैनेजर अरिहंत जैन ने बताया कि संस्था '2050 हेल्थकेयर' विगत 4 वर्षों से छत्तीसगढ़ प्रांत में रिहैबिलिटेशन सेंटर एवं होम हेल्थ केयर के द्वारा स्ट्रोक, कैंसर, ऑर्थोपेडिक एवं अन्य रोगियों को उत्कृष्ट सेवायें प्रदान करती आ रही है। कार्यक्रम में संस्था की वाइस प्रेसीडेंट सृजनी बिश्वास, डॉ. रश्मि अकोलेकर, बिपिन विमल, वरिष्ठ डॉक्टर्स एवं फिजियोथेरेपिस्टस की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

समाधान शिविर से आम जनता में बढ़ रहा सरकार के प्रति विश्वास

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा- जल व विद्युत संकट जैसे समस्याओं का होगा शीघ्र समाधान

जनता से किया सीधा संवाद, अफसरो को दिए निर्देश

आरंग (विश्व परिवार)। जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन के मार्गदर्शन एवं एसडीएम आरंग पुष्पेंद्र शर्मा के निर्देशन में हायर सेकंडरी स्कूल प्रांगण राखी में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सुशासन का स्वप्न देखने वाले भारत रत्न स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के विचार आज भी प्रासंगिक है।मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में सुशासन से समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है। जिससे लोगों को साय सरकार के प्रति विश्वास बढ़ रहा है।उन्होंने बरसात में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा स्कूलों में बच्चों के नाम पर पौधरोपण करने को कहा। जिससे बच्चे उस पौधे को देखरेख करेंगे। साथ ही अनेक विभागो के अफसरो से विभागीय समस्याओं व समाधान की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जल संकट विद्युत संकट सहित सभी समस्याओं को शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने सभा को संबोधित करते हुए समाधान शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की बात कहा। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल एवं भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्याम नारंग, जिला पंचायत सदस्य भीनू सुजीत घिदौड़े,जनपद उपाध्यक्ष रवींद्र रिंकू चंद्राकर, जनपद सदस्यगण वीरेंद्र हीरवानी, सुभाशुं साहू,जनपद सदस्य प्रतिनिधि महेश साहू, नगर पालिका परिषद आरंग अध्यक्ष डॉक्टर संदीप जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष नया रायपुर से टेशवंत बघेल, आरंग से देवनाथ साहू की उपस्थिति रही।इस मौके पर ड्राइविंग लाइसेंस, श्रम कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, कृषि सामग्री इत्यादि सामग्री वितरण किया गया।

जनपद सीईओ कुमार सिंह लहरें ने बताया कि 13 ग्राम पंचायतों से 7619 मांग तथा 145 शिकायत का आवेदन प्राप्त हुआ था। जिसपर निराकरण की कार्यवाही की गई है।एवं समाधान किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ विजय खंडेलवाल, डीएमसी के एस पटले, तहसीलदार मंदिर हसौद से विनोद साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा, महिला बाल विकास परियोजना एवं नोडल अधिकारी प्रीति मिश्रा, एडिशनल सीईओ मारुति राव ,प्राचार्य गण श्रीराम भंडारू आदि उपस्थित रहे।

डॉ. प्रगति जैन करेंगी अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन लंदन में भारत का प्रतिनिधित्व

इंदौर (विश्व परिवार)। ख्यातिप्राप्त शिक्षाविद्, गणितज्ञ, प्रेरणादायिनी वक्ता और लेखिका डॉ. प्रगति जैन इंदौर, आगामी 6-7 जून को लंदन मेट्रोपोलिटन यूनिवर्सिटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन Frontiers of Intelligent ComputingÑ Theory and Applications में भारत का ही नहीं, बल्कि भगवान महावीर के अनेकांतमयी दर्शन का भी प्रतिनिधित्व करेंगी। वे E&plainable Artificial Intelligence through Syadvada Logic विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत करेंगी, जिसमें स्याद्वाद जैसे जैन तर्कशास्त्र के सिद्धांतों के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) को अधिक मानवीय, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक अभिनव दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है। यह शोध Springer Publication जैसे विश्वविख्यात प्रकाशन में प्रकाशित किया जाएगा।

डॉ. जैन का यह शोध भारतीय ज्ञान परंपरा, विशेषकर जैन दर्शन की वैज्ञानिकता और तर्कसंगत सोच को वैश्विक मंच पर सामने लाने का एक सशक्त प्रयास है। उनका प्रस्तावित मॉडल यह दर्शाता है कि भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित अनेकांतवाद और स्याद्वाद आज के जटिल तकनीकी प्रश्नों का भी संतुलित और विवेकपूर्ण समाधान दे सकते हैं।

डॉ. प्रगति जैन की उपलब्धियाँ समाज के लिए गर्व का विषय हैं। वे मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित प्राध्यापक हैं, और अब तक 50 से अधिक शोधपत्र, 9 पुस्तकें, तथा 3 पेटेंट उनके नाम दर्ज हैं। उनकी पुस्तक ÒThe Power of PauseÑ From Reaction to ResponseÓ अमेज़न की बेस्टसेलर रही है। उनके निर्देशन में अब तक तीन शोधार्थी पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कुआलालंपुर, मलेशिया में भारत का प्रतिनिधित्व किया और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों से अनेक सम्मान प्राप्त किये। डॉ. प्रगति जैन पत्रकार महासंघ की राष्ट्रीय मंत्री हैं। अपने शोध के उद्देश्य पर डॉ. जैन कहती हैं- जैन दर्शन केवल मोक्षमार्ग नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण जीवन और विज्ञान के लिए भी मार्गदर्शक है। स्याद्वाद हमें सिखाता है कि हर पक्ष में कुछ सत्य होता है, और यही दृष्टिकोण जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता में आएगा, तो तकनीक अधिक करुणामयी और संतुलित बन सकेगी। डा.प्रगति जैन ,दिगंबर जैन समाज की पहली महिला है जिन्होंने कंप्यूटर तकनीक व ए आई को जैन दर्शन व स्यादवाद से जोड़ा है। जैन समाज के लिए हर्ष और प्रसन्नता का विषय है कि डा.प्रगति जैन ने वैश्विक स्तर पर यह प्रतिष्ठा प्राप्त की हैं। अनेक संस्थाओं व प्रबुद्धजनों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी।

एम्स रायपुर ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर हृदय थीम के तहत अपने नर्सिंग नायकों को सम्मानित किया

रायपुर (विश्व परिवार)। एम्स रायपुर ने 12 मई 2025 को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर हृदय थीम के तहत अपने नर्सिंग नायकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत ऊर्जा और सम्मान से हुई, जो एम्स रायपुर की नर्सिंग कर्मियों के प्रति गहरी सराहना को दर्शाता है।

कार्यक्रम का आयोजन अध्यक्ष श्री जेक्का प्रदीप कुमार, सह-अध्यक्ष श्री नरेंद्र बिश्नोई, आयोजन सचिव श्री मिर्याला रविचंद्र, और सह-सचिवों श्रीमती प्रियंका टकसांडे और श्रीमती सरस्वती के नेतृत्व में किया गया।इनकी सामूहिक प्रयासों ने नर्सिंग समुदाय की उपलब्धियों को सम्मानित करने और स्वास्थ्य सेवा कर्मियों को सशक्त बनाने की एम्स रायपुर की प्रतिबद्धता को पुन: स्थापित किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य संरक्षक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त), कार्यकारी निदेशक, एम्स रायपुर ने किया।अपने संबोधन में उन्होंने नर्सों की अडिग समर्पण की सराहना की और उनके उत्साही भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की।

मुख्य अतिथि, प्रोफेसर बीना आर. थॉमस, प्राचार्य, एसकेएसएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भिलाई, ने प्रशिक्षित नर्स संघ (TNAI) के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया और स्वास्थ्य देखभाल परिदृश्य को आकार देने में नर्सों की भूमिका पर प्रकाश डाला।विशिष्ट अतिथि, डॉ. डेज़ी अब्राहम, प्रोफेसर, पीडियाट्रिक्स, पी.जी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भिलाई, और डॉ. बिनु मैथ्यू, प्राचार्य, एम्स रायपुर कॉलेज ऑफ नर्सिंग, ने नर्सिंग शिक्षा और अभ्यास पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की।

श्रीमती शांति टोप्पो, एएनएस, ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की थीम हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। नर्सों की देखभाल अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करती है। का औपचारिक अनावरण किया।इसके बाद, उपस्थित लोगों ने रक्तदान अभियान, वॉकाथॉन, और नुक्कड़ नाटक में भाग लिया, जो नर्सिंग स्टाफ द्वारा जागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किए गए थे।

बेटियों ने बढ़ाया मान : अदाणी विद्या मंदिर, साल्ही के 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में बेटियाँ रहीं अव्वल

10वीं की परीक्षा में स्कूल को मिली 100 फीसदी सफलता, हर्षिता यादव 81.84 प्रतिशत अंकों के साथ टॉपर

12वीं बोर्ड परीक्षा में अव्वल 10 बच्चों की प्राविण्य सूची में से 6 बेटियाँ

हरिहरपुर के आदिवासी छात्र नारायण सिंह कोर्राम ने 75 प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल में किया टॉप

उदयपुर, सरगुजा (विश्व परिवार)। अदाणी विद्या मंदिर, साल्ही के 10वीं और 12वीं कक्षा के बोर्ड परीक्षा परिणामों में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें विशेष रूप से बेटियों ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा मंगलवार को कक्षा 10 वीं और 12 वीं की परीक्षा 2025 के परिणाम घोषित किए गए। जिसमें अदाणी विद्या मंदिर के 21 बच्चें प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए है।

इस वर्ष अदाणी विद्या मंदिर से 10 वीं कक्षा में कुल 51 छात्रों ने परीक्षा दी, जिनमें से सभी विद्यार्थी सफल हुए और स्कूल ने 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया। 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 11 छात्रों में से 8 बेटियाँ रहीं। डांडगांव की हर्षिता यादव ने 81.84 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया। साल्ही की प्रेरणा सिंह ने 77.84 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान और साल्ही के राजकमल कोर्राम ने 76.67 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि 12 वीं कक्षा में कुल 47 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। 60 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 10 छात्रों में से 6 बेटियाँ रहीं। हरिहरपुर के आदिवासी छात्र नारायण सिंह कोर्राम ने 75 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। घाटबार्रा के समीर यादव 73.6 प्रतिशत के साथ द्वितीय और साल्ही के सुरजीत पोर्ते 71.8 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान पर रहे।

राजकुमार यादव की पुत्री और कक्षा 10वीं की छात्रा हर्षिता यादव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को देते हुए कहा, मेरे शिक्षकों ने हमेशा मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया। यह सफलता उनकी मेहनत का परिणाम है। बालसाय कोर्राम के पुत्र और कक्षा 12 के छात्र नारायण सिंह कोर्राम ने कहा, मैं आज बहुत खुश हुँ। मेरे स्कूल के शिक्षकों ने मेरी बहुत मदद की है। इसके लिए अपने गुरुजनों का दिल से धन्यवाद करता हुँ। मैं अब अच्छे विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई करूंगा। इसके लिए मैं कॉमन यूनिवर्सिटी प्रवेश परीक्षा (ष्टश्वञ्ज) की तैयारी में जुटा हुआ हुँ।

अदाणी विद्या मंदिर के प्राचार्य श्री आशीष पांडे ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यह परिणाम हमारे शिक्षकों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और छात्रों की लगन का नतीजा है। विशेष रूप से यह देख कर गर्व होता है कि हमारी बेटियाँ निरंतर आगे बढ़ रही हैं। जहां तक हर्षिता की बात है वह हमारे स्कूल की काफी होशियार बच्ची है। मैं हमारे स्कूल के सभी टॉपर और सफल विद्यार्थीयों को बधाई देता हुँ साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हुँ।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा अदाणी फाउंडेशन के माध्यम से सामुदायिक सरोकारों के तहत संचालित अदाणी विद्या मंदिर केन्द्रीय शिक्षा मण्डल से सम्बद्ध है।

'एडवांसमेंट् इन नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, एनर्जी कन्वर्शन एंड स्टोरेज टेक्नोलॉजी : डिजाइन, फेब्रिकेशन मेथोडोलोजिस एंड एप्लीकेशन' पर

एनआईटी रायपुर ने ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का किया उद्घाटन

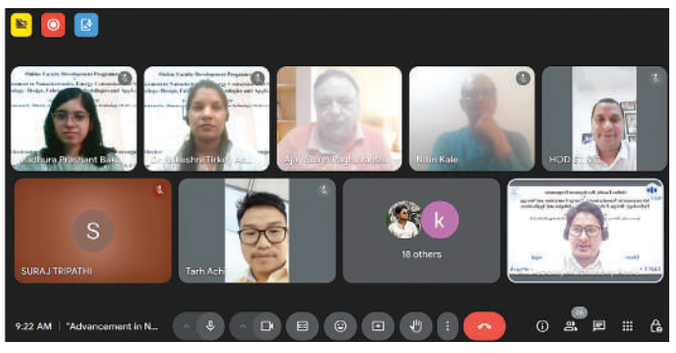

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी संस्थान रायपुर में 'एडवांसमेंट् इन नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, एनर्जी कन्वर्शन एंड स्टोरेज टेक्नोलॉजी : डिजाइन, फेब्रिकेशन मेथोडोलोजिस एंड एप्लीकेशन' पर ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का उद्घाटन समारोह 14 मई 2025 को सुबह 9:00 बजे Google मीट के माध्यम से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार द्वारा समर्थित है।

समारोह की शुरुआत एक स्वागत भाषण से हुई, जिसने व्यावहारिक शिक्षा और शैक्षणिक जुड़ाव की दस दिवसीय यात्रा की शुरुआत की। एफडीपी का औपचारिक उद्घाटन एनआईटी रायपुर के सीईसी (कंटीन्यूइंग एजुकेशन सेल) के अध्यक्ष प्रोफेसर एस. घोष की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ, जिन्होंने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने सतत विकास के संदर्भ में नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा दोनों के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित अतिथि भी शामिल हुए, जिनमें एनआईटी रायपुर के ईसीई विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. टी. मीनपाल और एनआईटी रायपुर के ईएंडआईसीटी अकादमी के मुख्य अन्वेषक डॉ. ए.एस. रघुवंशी और नैनोस्निफ टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक और सीटीओ डॉ. नितिन एस. काले शामिल रहे।

इस एफडीपी का उद्देश्य फैकल्टी मेम्बर्स, पीएचडी शोधकर्ताओं और औद्योगिक पेशेवरों को उभरते नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर, वीएलएसआई और सौर सेल प्रौद्योगिकी का विस्तृत ज्ञान देना है। इस एफडीपी में 40 घंटे के विशेषज्ञ व्याख्यान होंगे, जिन्हें आईआईटी, एनआईटी, सीएसआईआर और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और सौर सेल प्रौद्योगिकी में अग्रणी अनुसंधान और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों की जानकारी देना है। उद्घाटन समारोह में देश भर के विभिन्न संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले 35 से अधिक फैकल्टी मेम्बर्स, पीएचडी शोधकर्ताओं और अकादमिक पेशेवरों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। यह कार्यक्रम एक व्यापक और समृद्ध शैक्षणिक पहल की एक आशाजनक शुरुआत है। इस एफडीपी का समन्वयन एनआईटी रायपुर के सहायक प्रोफेसर डॉ. देबोराज मुचारी और एनआईटी रायपुर की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुकेशनी तिर्की द्वारा किया जा रहा है, जिनकी सावधानीपूर्वक योजना और समर्पित प्रयास कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में सहायक साबित होंगे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर गुरुवार 15 मई 2025

एक देश, एक चुनाव पर संगोष्ठीः सांसद रूप कुमारी चौधरी ने बताया देश की जरूरत

गरियाबंद। मंगलवार को नगर के ऑक्सन हॉल में 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन सर्व समाज, गायत्री परिवार और व्यापारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में सांसद रूप कुमारी चौधरी ने संगोष्ठी को संबोधित किया और एक साथ चुनाव की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ÷वर्तमान समय में देश को 'एक देश, एक चुनाव' की सख्त जरूरत है। लगातार चुनाव से प्रशासनिक तंत्र पर भारी दबाव पड़ता है और विकास कार्य बाधित होते हैं। बार-बार आचार संहिता लागू होने से योजनाएं अधर में लटक जाती हैं और शासन-प्रशासन का सामान्य कार्य भी प्रभावित होता है।÷ उन्होंने आगे कहा कि एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव से न केवल समय और धन की

बचत होगी, बल्कि जनप्रतिनिधियों को भी अपने कार्यकाल का पूरा समय जनता की सेवा में लगाने का अवसर मिलेगा।

राज्य भण्डार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू ने बताया कि 1952 से 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होते थे, लेकिन बाद में कुछ राज्यों में विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने के कारण यह परंपरा टूट गई। उन्होंने एक साथ चुनाव को दीर्घकालिक नीतियों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे सरकारों को स्थिर कार्यकाल मिलेगा, जिससे वे बेहतर नीतियां बना सकेंगी।

पूर्व विधायक समरूधर पुजारी ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 'एक देश, एक चुनाव' को लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह न केवल देश की आर्थिक बचत करेगा बल्कि प्रशासनिक स्थिरता भी सुनिश्चित करेगा।

संगोष्ठी में गायत्री परिवार से श्रीमती सुनीता साहू, वरिष्ठ नागरिक सत्यप्रकाश मानिकपुरी, प्राचार्य डॉ आरके तलवारे, डॉ सत्येंद्र तिवारी, अधिवक्ता लोकनाथ साहू सहित कई अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने इसे देशहित में एक आवश्यक सुधार बताते हुए कहा कि इससे संसाधनों का समुचित उपयोग संभव होगा।

कार्यक्रम में शामिल प्रमुख अतिथियों में पूर्व राजिम विधायक संतोष उपाध्याय, जिला भाजपा अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, पूर्व अध्यक्ष राजेश साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिवक्ता और व्यापारीगण उपस्थित थे।

सुशासन तिहार में 23 हितग्राहियों को मिली सब्जी बीज और जैविक खाद

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का त्वरित लाभ समाधान गांव में आयोजित शिविरों में मिल रहा है। सुशासन तिहार के तीसरे चरण के अंतर्गत जिले में समाधान शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं के तहत हितग्राही मूलक सामग्रियों का वितरण कर ग्रामीणों को लाभान्वित किया जा रहा है। कोण्डागांव विकासखण्ड के ग्राम चिपावण्ड में आयोजित समाधान शिविर में उद्यानिकी विभाग द्वारा सब्जी क्षेत्र विस्तार अंतर्गत 23 ग्रामीणों को सब्जी बीज वितरित किया गया। शिविर में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के सब्जी क्षेत्र विस्तार अंतर्गत चिपावण्ड क्लस्टर के ग्राम उमरगांव 'ब' के 05, ग्राम लेमड़ी के 06, ग्राम निलजी के 05, ग्राम नेवता के 02 और ग्राम चिपावण्ड के 05 किसानों को उद्यानिकी विभाग द्वारा भिण्डी, करेला और लौकी बीज के साथ जैविक खाद भी प्रदाय किया गया। सभी किसानों ने शासन द्वारा दी गई सब्जी बीज और खाद के लिए खुशी जताते हुए शासन-प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बीआईओएम, किरंदुल कॉम्प्लेक्स को बी 1 श्रेणी में ओवर ऑल प्रदर्शन के लिए मिला द्वितीय पुरस्कार

किरंदुल। खान सुरक्षा महानिदेशक, बिलासपुर एवं रायगढ़ क्षेत्र के तत्वावधान में आयोजित 40वें वार्षिक सुरक्षा समारोह-2024 के फाइनल डे फंक्शन में हॉटल बेबीलॉन इंटरनेशनल, रायपुर में आयोजित भव्य समारोह बीआईओएम किरंदुल कॉम्प्लेक्स को बी 1 श्रेणी में ओवर ऑल प्रदर्शन के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार एनएमडीसी के निदेशक (उत्पादन) जयदीप दासगुप्ता, रामअवतार मीना, उपमहानिदेशक खान सुरक्षा,पश्चिमी क्षेत्र, नागपुर, के करकमलों से संजीव साही, मुख्य महाप्रबंधक, किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने ग्रहण किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों में 7 पुरस्कार प्राप्त हुए।

1. एचईएम एंड वर्कशॉप प्रथम पुरस्कार 2. इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशन एंड माइन एल्युमिनेशन प्रथम पुरस्कार 3. हेल्थ एंड वेलफेयर अमेनटीज् द्वितीय पुरस्कार 4. पब्लिसिटी एंड प्रापगैन्डा द्वितीय पुरस्कार 5. जेनरल वर्किंग द्वितीय पुरस्कार 6. यूज ऑफ इक्स्प्लोसिव द्वितीय पुरस्कार 7. ट्रेनिंग एंड सेफ्टी परफारमेंस तृतीय पुरस्कार इसके अलावा भी 3 पुरस्कार प्राप्त हुए। 1. फर्स्ट ऐड टीम तृतीय पुरस्कार 2. फर्स्ट ऐड टीम बेस्ट कैप्टन तृतीय पुरस्कार 3. बेस्ट फर्स्ट ऐडर द्वितीय पुरस्कार इस अवसर पर प्रबंधन प्रतिनिधि, दोनों यूनियन एसकेएमएस, एवं एमएमडब्ल्यू के प्रतिनिधि एवं पीट सेफ्टी समिति के सदस्य उपस्थित थे।

आप सभी से मिले प्यार,स्नेह और आशीर्वाद ने मेरे सेवा के संकल्प को और मजबूत बनाया हैः महेश कश्यप

लड्डुओं से बस्तर सांसद को तौलकर रेल आंदोलन समिति ,संजय बाजार के व्यापारीयो ने जताया आभार

बस्तर को मिले नई रेल लाईन की सौगात पर बस्तर सांसद महेश कश्यप का शहरवासियों ने किया स्वागत।

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तरवासियों के द्वारा डबल इंजन सरकार के जनप्रतिनिधियों को सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से इस बड़ी सौगात हेतु उनका धन्यवाद ज्ञापित किया जा रहा है।

आज जगदलपुर शहर के संजय मार्केट में बस्तर रेल आंदोलन समिति के सदस्यों सहित संजय बाजार व्यापारी कल्याण संघ के समस्त सदस्यों एवम नागरिकों ने आज बस्तर सांसद का भव्य स्वागत कर उन्हें बस्तरवासियों को मिले नई रेल लाईन की स्वीकृति हेतु उनको धन्यवाद ज्ञापित किया।

संजय मार्केट चौक में सदस्यों ने आतिशबाजी कर बस्तर सांसद का गाजे बाजे व फूल माला के साथ उनका भव्य किया। ततपश्चात मार्केट के भीतर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप को लड्डुओं से तौलकर इस रेल लाईन के स्वीकृति हेतु सभी लोगो ने उनको धन्यवाद ज्ञापित किया है।

बता दे कि बस्तर सांसद द्वारा लगातार चुनाव में विजयी होने के पश्चात से ही बस्तर के रेल मामले सहित अन्य मामलों को ले कर वह आवाज उठाते नजर आ रहे हैं। बस्तर क्षेत्र के अनेको रेल लाईन परियोजना हो या नई ट्रेनों के संचालन का मामला हो सभी मामलों को गम्भीरता से लेते हुए बस्तर सांसद के द्वारा इन विषयो से केन्द्र सरकार को अवगत कराया जा रहा हैं।

इस स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगो ने बस्तर सांसद को फूल माला पहनाकर इस सौगात हेतु बहुत सारा धन्यवाद दिया।

बस्तर सांसद ने इस दौरान इस स्वागत हेतु सभी लोगो को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज आप सभी से मिले प्यार,स्नेह और आशीर्वाद ने मेरे सेवा के संकल्प को और मजबूत बनाया है। इसके लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हु। आप सभी के सहयोग व सुझाव के माध्यम से बस्तर को उच्च शिखर पर ले जाना हैं।

श्री कश्यप ने कहा कि लोकसभा चुनाव में आप सभी के द्वारा मुझ पर विश्वास जताकर मुझे लोकसभा के मंदिर तक पहुँचाने का कार्य किया था,बस्तर का विकास ही मेरा लक्ष्य हैं।

रेत के अवैध उत्खनन और चोरी रोकने के लिये शिवसेना जनजागरण व नुक्कड़ नाटक करेगी

कांकेर। शिवसेना नेता सुखचंद मंडावी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि कांकेर जिला के कई नदीयों में रेत माफियायों द्वारा चेन माउंटेन मशीन,हाईवा लगाकर रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है और शासन प्रशासन का रेत माफिया को खुला संरक्षण है। रेत माफिया की गाड़ी को अगर कोई समाज सेवक,जन सेवक, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक कार्यकर्ता अवैध रेत उत्खनन करने से रोकता है, तो जिन अधिकारियों को रेत चोरी रोकने की जिम्मोदारी है वही रेत माफिया की दलाली करने लगते हैं। कांकेर क्षेत्र में चारामा, दुर्गकोदल, परतापुर , पखांजूर, कांकेर में नदियों का सीना चीरकर रेत माफिया द्वारा इतना अवैध रेत खुदाई किया जा चुका है कि जिसके कारण क्षेत्र का जलस्तर कई मीटर नीचे पहुंच चुका है। कांकेर क्षेत्र की नदियों में आगे चलकर तटीय क्षेत्र का कटाव भी ज्यादा मात्रा में होगा, क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि नेता जो जनता की सेवा का संकल्प लेकर चुनाव जीतकर आए हैं। उनके द्वारा रेती चोरी कराया जा रहा है और रेट माफिया से मिले अवैध पैसे से गांव-गांव में झगड़ा लड़ाई कराया जा रहा है। रेत माफिया के पैसे पर पलने वाले नेताओं से शिवसेना प्रश्न पूछती है कि आप जनता की सेवा करने के लिए जनप्रतिनिधि बने हैं या रेती चोरी कराने के लिए। जहां-जहां नेताओं द्वारा रेती चोरी कराया जा रहा है । शिवसेना द्वारा जन जागरण हेतु नुक्कड़ सभा किया जाएगा एवं रेती चोरी होने वाले नदियों में शिवसेना द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा।

बास्तानार ब्लॉक के ग्राम पंचायत बड़े किलेपाल में सुसाशन तिहार एवं समस्या समाधान शिविर का सफल आयोजन

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बास्तानार ब्लॉक के ग्राम पंचायत बड़े किलेपाल में आज सुसाशन तिहार एवं समस्या समाधान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्रीय विधायक श्री विनायक गोयल जी ने विशेष रूप से उपस्थित होकर ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

शिविर में विभिन्न विभागों की उपस्थिति रही, जिनके माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई एवं पात्र हितग्राहियों को आवश्यक सामग्री का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर आम जन ने अपने समस्याएं खुलकर साझा की, जिनका समाधान मौके पर ही किया गया।

विधायक श्री विनायक गोयल जी ने अपने संबोधन में कहा कि शासन की मंशा है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचे और इस प्रकार के शिविर आम जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम हैं। यह कार्यक्रम जनसुनवाई, समाधान और सेवा का सजीव उदाहरण बनकर उभरा, जिससे ग्रामीणों में शासन के प्रति विश्वास और उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर चित्रकोट विधायक विनायक गोयल जी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मण्डावी जी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती महावती मण्डावी जी, उपाध्यक्ष रितेश दास जोशी जी, विनोद कुहरामी जी, जनपद सदस्य, मनकु पोडियाम, श्रीमती गोंचि कश्यप जी, रूपाराम मुचाकी जी, जिला मंत्री बाबुल नाग जी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष नारायण सिंह ठाकुर जी, महामंत्री संतोष ठाकुर, विमल पाण्डेय, श्रीमती रंगबती कश्यप, बामन वेट्टी, एवं अन्य विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों व ग्रामीण जन भी उपस्थित रहे।

हादसे को आमंत्रित करता चितालंका-टेकनार मार्ग जगह,-जगह बन गए है जानलेवा गड्ढे

दंतेवाड़ा। टेकनार-चितालंका को हाईवे से जोड़ने वाली यह सड़क जानलेवा साबित हो सकती है. आधा से भी अधिक सड़क टूटकर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं. चारपहिया वाहन के लिए इस मार्ग से गुजरना बेहद मुश्किल होता है। चूंकि गड्ढे के कारण मार्ग सकरा हो गया है. वहीं आसपास के रहवासियो ने बताया कि इसकी सूचना विभाग को दिया गया था और कुछ तकनीकी कर्मचारी यहां आये भी थे लेकिन अब तक इसे मरम्मत नहीं किया जा सका है. इसके अलावा इस मार्ग पर कोई सूचना बोर्ड भी नहीं है जिससे इस मार्ग से गुजरने वाले सतर्क हो सकें. रात के समय यह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसा ही एक हादसा लगभग

डेढ़ साल पहले पातरास पुलिया निर्माण के दौरान कोई बोर्ड नहीं लगाने से एक पंचायत सचिव की दुर्घटना में निधन हो चुका है लिहाजा समय रहते जरुरी सुरक्षा सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि किसी अप्रत्याशित घटना को रोका जा सके।

अटल बिहारी बाजपेयी वार्ड बना चैंपियन

बस्तर में प्रतिभा की कमी नहीं- सांसद महेश कश्यप

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर में प्रतिभा की कमी नहीं है,आवश्यकता है तो उसे सही मंच देने की। खेल के मैदान में प्रतिस्पर्धा की भावना से नहीं बल्कि भाईचारे की भावना से खेलना चाहिए। खेल में हार जीत तो लगा रहता है। इस प्रकार के आयोजन से खिलाड़ियों के अंदर छिपी प्रतिभा बाहर निकल कर सामने आती है। उपविजेता टीम निरास होने की बजाय दोगुनी मेहनत करें जिससे अगली बार वह विजेता बन सके। शासन व प्रशासन स्तर पर लगातार खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने व आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। उपरोक्त बातें बतौर मुख्य अतिथि बस्तर सांसद महेश कश्यप ने महापौर कप रात्रि कालिन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन अवसर पर कही। महापौर कप का समापन मंगलवार देर रात संपन्न हुआ। टूर्नामेंट के फाइनल

मुकाबले में ग्रामीण पुल से बस्तर एवं वार्ड की पुल से अटल बिहारी बाजपेयी वर्ल्ड की टीम ने फाइनल में जगह बनाई थी। जिसमे अटल बिहारी बाजपेयी वार्ड विजेता टीम रही। इस फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के तौर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर संजय पाण्डे, विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे, बस्तर चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष श्याम सोमानी, एमआईसी सदस्य निर्मल पानीग्राही, सुरेश गुप्ता, लक्ष्मण झा, पूर्व महापौर सफीरा साहू, बाबुल नाग, पंकज आचार्य, शशि नाथ पाठक, विवेक जैन, गुलाम सिंह राजपूत उपस्थित रहे। शहर में पहली बार कराए जा रहे ग्रामीण स्तरीय एवं वार्ड स्तरीय इस फाइनल मैच में टॉस की प्रक्रिया अतिथियों ने पूरी करवाई। बस्तर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया एवं निर्धारित 10 ओवर में 88 रन 8 विकेट के नुकसान पर एक अच्छा स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अटल बिहारी बाजपेयी वार्ड की टीम 59 रन पर तीन विकेट पर बल्लेबाजी कर रही थी। उसके बाद गेंदबाजी में आए खगेश्वर और सुभाष ने काफी अच्छी गेंदबाजी की और स्कोर 70 रन पर आठ विकेट गिरा दिया। इस प्रकार से अटल बिहारी बाजपेयी वार्ड की टीम को 6 गेंद पर 18 रनों की दरकार थी और बल्लेबाजी करने आए अनिल जिन्होंने पांच गेंद पर ही 18 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। इस तरह से अटल बिहारी बाजपेयी वार्ड ने इस रोमांचक मुकाबले में फाइनल की ट्रॉफी अपने नाम किया। विजेता टीम को 51,000 एवं उपविजेता टीम को 31,000 रुपए के साथ ट्रापी प्रदान की गई। सिडनी क्रिकेट क्लब हाटकचोरा के पदाधिकारी ने बताया इस मैच के अंपायर राजू नायडू एवं अब्दुल समीर रहे। कमेंट्री के रूप में दीपक पांडे एवं स्कोरर की भूमिका आनंद ने निभाई। सिडनी क्रिकेट क्लब के विक्रम, विजय, बाबू, राहुल, उमेश, राजू, तारीख, सुरेश सहित कमेटी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। टूर्नामेंट में आकर्षक उपहार भी दिया गया। मैन ऑफ़ द सीरीज से गबरू (गंगामुंडा वार्ड), बेस्ट बैट्समैन राहुल नाग (कोलचुर), बेस्ट बॉलर सावन (अटल बिहारी बाजपेयी वार्ड), बेस्ट फील्डर जीत आर्यन (अटल बिहारी बाजपेयी वार्ड) और बेस्ट कैच ऑफ़ द टूर्नामेंट से सौरभ जैन को नवाजा गया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. धमतरी, संभाग धमतरी (छ.ग.)
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-2901/NIT-7/2025-2026/ व ले लि — दिनांक: 10/05/2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 30/05/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :-06/06/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 09/06/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / NoDfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे) अमानत राशि (रु.में)	निविदा प्रपत्र की कीमत (रु.में)	निविदाकारों की श्रेणी	कार्य की अवधि
1	2	3	4	5	6
7 T0020	धमतरी कुरूद एवं नगरी अनुविभाग के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों का संधारण एवं मरम्मत कार्य 2025 26 प्रथम आमंत्रण	10.00 7500.00 300000.00	A 750.00	ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द' से "अ" तक	31/12/2025 वर्षा ऋतु सहित

निविदा शर्तें -
निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.pwd.cg.nic.in में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. धमतरी, संभाग
धमतरी (छ.ग.)

G- 252600822/1

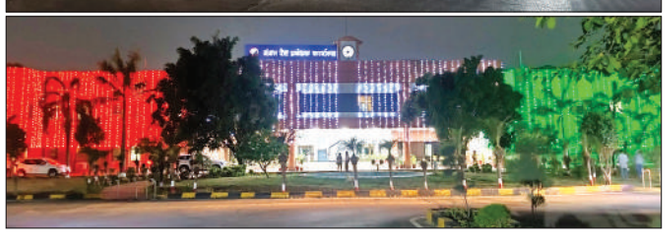

वीर सैनिकों के सम्मान में रायपुर रेलवे स्टेशन सहित देशभर के रेलवे स्टेशन जगमगा उठे

रायपुर (विश्व परिवार)। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अदम्य शौर्य और पराक्रम के सम्मान में देश भर के रेलवे स्टेशन जगमगा उठे। भारतीय रेल ने वीर सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह अनूठा आयोजन किया। इस मौके पर कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक के रेलवे स्टेशनों पर राष्ट्रभक्ति का अलग जोश देखने को मिला। इस दौरान तिरंगे की रोशनी में नहाए रेलवे परिसर देशभक्ति के गीतों से गूंज उठे। वहीं स्टेशनों पर लगी स्क्रीनों पर राष्ट्रभक्ति से जुड़े विजुअल्स ने यात्रियों को राष्ट्र प्रेम की भावनाओं से भर दिया।

इस ऑपरेशन की सफलता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय रेल ने देश के विभिन्न हिस्सों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया, जिसने देशवासियों के मन मस्तिष्क में राष्ट्रप्रेम और सेना के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया। इसके अलावा भारतीय रेल ने तिरंगा यात्रा के साथ तमाम स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के जरिए भी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को जनमानस तक पहुंचाया।

भारतीय रेल की इस पहल ने ना केवल सेना के रणबांकुरों का अभिनंदन किया, बल्कि आम जनता को भी ऑपरेशन सिंदूर की गौरव गाथा से जोड़ा। यह आयोजन दर्शाता है कि देश का प्रत्येक नागरिक अपने वीर सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद न्याय की अखंड प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की वह गौरव गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

सशक्तिकरण की ओर एक मजबूत कदम : सुकमा में एएस/एनएस इंडिया ने 'बेटी पढ़ाओ' छात्रवृत्ति कार्यक्रम की शुरुआत की

सुकमा (विश्व परिवार)। आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (AM/NS इंडिया) ने अपने प्रमुख कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) पहल 'बेटी पढ़ाओ' छात्रवृत्ति कार्यक्रम का विस्तार छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले तक करते हुए एक सराहनीय पहल की है। इस कार्यक्रम के माध्यम से वंचित परिवारों की लड़कियों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ाने और उनके शैक्षणिक लक्ष्यों को साकार करने का अवसर दिया जा रहा है।

'बेटी पढ़ाओ' छात्रवृत्ति कार्यक्रम की शुरुआत मार्च 2022 में की गई थी, और यह अब तक छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों की लगभग एक हजार वंचित युवतियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला चुका है। इस कार्यक्रम के माध्यम से AM/NS इंडिया ने यह साबित किया है कि शिक्षा ही सशक्तिकरण की सबसे मजबूत नींव है। अब, सुकमा में इस छात्रवृत्ति कार्यक्रम का विस्तार कर कंपनी ने यह सिद्ध किया है कि वह शिक्षा के माध्यम से लड़कियों को सशक्त बनाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिले की 13 योग्य छात्राओं को कुल 1.74 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई, जो उनके शैक्षणिक भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

छात्रवृत्ति वितरण समारोह में छात्राएं, उनके माता-पिता और संबंधित स्कूलों के शिक्षक शामिल हुए। इस अवसर पर छात्रा मोनिका बघेल ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं, मेरे माता-पिता भी खुश हैं कि मुझे AM/NS इंडिया से छात्रवृत्ति मिली। ग्रामीण छात्रों के लिए 'बेटी पढ़ाओ' जैसी छात्रवृत्तियां वरदान की तरह हैं। इससे हमारी शैक्षणिक जरूरतें पूरी होंगी और हमें उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद मिलेगी। मैं इस अवसर के लिए AM/NS इंडिया की आभारी हूं।

सुकमा जिले के ,ष्ठश्वह्र श्री प्रशाद डैनियल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, AM/NS इंडिया जैसी बड़ी कंपनी से छात्रवृत्ति प्राप्त करना आसान नहीं है। चयनित छात्राएं वाकई विशेष हैं। मैं सभी छात्राओं से आग्रह करता हूं कि वे इस छात्रवृत्ति का पूरा लाभ उठाएं और स्वयं, अपने परिवार, जिले तथा देश के लिए गौरव बनें। मैं AM/NS इंडिया को जिले में शिक्षा के माहौल को बेहतर बनाने के लिए धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि इन बच्चियों का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस अवसर पर जिले के समाजसेवी श्री सीताराम राणा ने कहा, हमें गर्व है कि हमारे जिले की लड़कियों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया है। साथ ही, यह गर्व की बात है कि हमारे जिले में AM/NS इंडिया जैसी कंपनी कार्यरत है, जो केवल स्टील नहीं बना रही, बल्कि बेटियों के सपनों को भी आकार दे रही है। ये छात्राएं भविष्य में अन्य लड़कियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी। कार्यक्रम में कुम्हारस प्राथमिक विद्यालय, सुकमा की मुख्याध्यापिका श्रीमती शीला सिंह भी उपस्थित थीं, जो अपनी तीन छात्राओं के साथ पहुंचीं। उन्होंने कहा, एक लड़की को शिक्षित करना दो परिवारों को शिक्षित करने के बराबर होता है - एक वह जिसमें वह जन्म लेती है और दूसरा वह जिसमें वह विवाह के बाद जाती है। AM/NS इंडिया की यह पहल लड़कियों के साथ-साथ उनके माता-पिता को भी उत्साहित करेगी, जिन्होंने आर्थिक संघर्षों के बावजूद अपनी बेटियों की शिक्षा का समर्थन किया है।

संक्षिप्त समाचार

छात्रा वैष्णवी वर्मा ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक हासिल कर बढ़ाया मान, कलेक्टर रोहित व्यास ने दी बधाई एवं शुभकानाएं

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। जिले की बेटियां वैष्णवी वर्मा ने सीबीएसई दसवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर जिले समेत प्रदेश का नाम रोशन किया हैं। सोमवार को सीबीएसई बोर्ड ने अपना रिजल्ट के नतीजे जारी कर दिया, जिसमें 10 वीं बोर्ड परीक्षा में वैष्णवी वर्मा ने 97.6 प्रतिशत प्राप्त किया हैं। वह शहर के देव पब्लिक स्कूल में अध्यनरत हैं। वैष्णवी वर्मा शुरु से मेघावी छात्र रही हैं। उनको कलेक्टर रोहित व्यास ने मेरिड लिस्ट में पास होने के लिए बधाई एवं शुभकानाएं दी हैं। वैष्णवी वर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता जया देवी वर्मा ,पिता रामु कुमार वर्मा एवं देव पब्लिक स्कूल की प्राचार्या गार्गी चटर्जी समेत सभी शिक्षकों एम डी ओमप्रकाश सिन्हा व किडेंस कोचिंग के शिक्षक देवांनंद मिश्रा को दिया हैं।

राज्य की औद्योगिक नीति में ऐतिहासिक संशोधन, उद्योग, व्यापार एवं पर्यटन को मिलेगा नया आयाम : कैट

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, प्रदेश अध्यक्ष परमानन्द जैन, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि आज माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में व्यापारिक हितों अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। कैट के प्रदेश अध्यक्ष परमानन्द जैन ने बताया कि मंत्री परिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य की औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में कई महत्वपूर्ण संशोधन को मंजूरी दी है। इससे राज्य की औद्योगिक नीति और अधिक रोजगारपरक, व्यापक और उद्यमों के लिए लाभकारी हो जायेगी। प्रस्तावित संशोधन में राज्य में रोजगार के नये अवसर बढ़ेंगे साथ उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। व्यापारिक हितों में किये गए संशोधन निम्नानुसार है- ऑटोमोबाइल रिपेयरिंग और सर्विस सेंटर को सभी विकासखण्ड समूहों में मान्य किया जाएगा। पर्यटन और होटल व्यवसाय को बढ़ावा- बस्तर और सरगुजा संभाग में होटल और रिसॉर्ट बनाने के लिए निवेश की न्यूनतम सीमा घटा दी गई है, जिससे इन इलाकों मे पर्यटन बढ़ेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। कपड़ा उद्योग को दोगुना प्रोत्साहन- टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश करने पर 200 प्रतिशत तक का प्रोत्साहन मिलेगा। इससें सिलाई, कढ़ाई और बुनाई जैसे काम करने वालों को भी फायदा मिलेगा। लॉजिस्टिक हब बनेगा छत्तीसगढ़- अब राज्य के हर हिस्से में माल ढुलाई और व्यापार को आसान बनाने के लिए नई लॉजिस्टिक नीति लाई जायेगी।

इंदिरा मार्केट वार्ड-30 में चला महासफाई अभियान

महापौर ने सामने खड़े होकर कराई : इंदिरा मार्केट क्षेत्र की नाली सफाई

समझाइस को समझे कब्जाधारी, नोटिस के बाद भी नही हटा तो निगम करेगी कार्रवाही : महापौर

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर निगम द्वारा चलाये जा रहे महासफाई अभियान के तहत आज वार्ड क्रमांक 30 इंदिरा मार्केट क्षेत्र वार्ड में चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत आज स्वयं महापौर अलका बाघमार ने क्षेत्र की नाली की सफाई कराई।

ईस नाली की विगत महीनों से सफाई नहीं कराई गई। महापौर श्रीमती बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा एवं अपनी एमआईसी टीम व पार्षदों के साथ पूरे वार्ड 30 क्षेत्र का भ्रमण कर वार्ड की नाले नालियों की तल्ले से सफाई कराने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

वार्ड में आज महापौर ने सभापति एवं वार्ड पार्षद श्याम शर्मा के संग जलाराम दुकान स्टेशन रोड के आस पास नाली स्लैप को हटावाकर सफाई करवाया गया।इसके बाद महापौर ने मोती पारा,मान होटल से शारदा टाकीज गली क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए महा सफाई करवाया। उन्होंने सभापति के साथ प्रेस कम्प्लेक्स के गरीब मटका वालो को व्यवस्थित ढंग से पीछे रिक्त जगहों पर लगवाने की बात कही। उन्होंने कहा कि समझाइस को समझे कब्जाधारी, नोटिस के बाद भी नही हटा तो निगम करेगी कार्रवाही।

महापौर ने नाली सफाई कार्य में बाधित स्लेब के 24 घंटे के भीतर हटाने के निर्देश देते हुए उनके साथ सभापति व वार्ड पार्षद श्याम शर्मा,देवनारायण चन्द्राकर, प्रभारीगण नीलेश अग्रवाल, नरेन्द्र बंजारे,शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, हर्षिका संभव जैन,पार्षद संजय अग्रवाल,गोविंद्र देवांगन, मनोज सोनी भी थे। इस दौरान नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा, उपअभियंता विनोद मांझी,सहायक स्वास्थ्य अधिकारी पंकज चंद्रवंशी कर्मशाला अधिकारी शोएब अहमद, विनीत वर्मा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सुशासन आवेदनों का दीपक नगर स्कूल में हुआ निराकरण

महापौर ने सभापति एवं आयुक्त के साथ सुशासन आवेदनों के शिविर त्वरित निराकरण प्रमाण पत्र वितरण किया

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज दीपक नगर आत्मानंद स्कूल में सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों का गुणवत्ता पूर्ण व पारदर्शिता के साथ निराकरण किया गया।शिविर में महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल एमआइसी सदस्यों और पार्षदो के संग सुशासन तिहार शिविर में लगें स्टॉल का निरीक्षण कर प्राप्त आवेदनों के संबंध में जानकारी ली गई।

बता दे कि नगर पालिक निगम दुर्ग स्वामी आत्मानंद स्कूल शिविर वार्ड 23 से 26, 47, 48, 59 एवं 60 मांग-96 शिकायत- 42 कुल- 138 निराकृत- 137लंबित- 1 के अलावा आबकारी विभाग प्राप्त आवेदन ऑनलाइन 1 मांग एक निराकरण किया गया।क्रेडा विभाग प्राप्त निरंक, स्वास्थ्य विभाग दुर्ग एमएचओ प्राप्त आवेदन 1 निराकरण 1 किया गया।खाद विभाग प्राप्त आवेदन 6 निराकरण, बिजली विभाग कुल प्राप्त आवेदन 2 निराकरण, श्रम विभाग कार्यालय प्राप्त आवेदन 25 निराकरण, संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेष प्राप्त 6 आवेदन निराकरण, लोक निर्माण विभाग उप संभाग प्राप्त आवेदन 77 निराकरण 77 किया गया।समाज कल्याण विभाग प्राप्त आवेदन 2 मांग व 1 शिकायत के आवेदन मिले।इस अवसर पर एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, लीना दिनेश देवांगन, मनीष साहू, नीलेश अग्रवाल, शिवनायक, लीलाघर पाल, हर्षिका संभव जैन, पार्षद मनोज सोनी, देवनारायण तांडी, संजय अग्रवाल, लोकेश्वरी ठाकुर, सावित्री दमाहे, शिवेंद्र परिहार, विजय जलकारे सहित अपर कलेक्टर विरेंद्र सिंह, आयुक्त सुमित अग्रवाल, उपायुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, सहायक अभियंता गिरीश दीवान सहित अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें। सुशासन शिविर कार्यक्रम के अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा व अपनी एमआईसी साथियों के साथ सुशासन शिविर में महिला बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती माताओं का गोद भराई व नन्हे-मुन्हे बच्चो को अन्नप्राशन कराया।

खदान पारा नेवई पहुंची महापौर, पेयजल संकट पर बुलवाया टैंकर, एमआईसी भी रहे मौजूद

रिसाली (विश्व परिवार)। लोगों की समस्याओं से रूबरू होने महापौर शशि सिन्हा वार्डो तक पहुंच रही है। खदान पारा नेवई में पेयजल संकट होने पर टैंकर के माध्यम से पानी आपूर्ति करने निर्देश मौके पर ही दी। इस दौरान महापौर ने सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया।

महापौर शशि सिन्हा श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र वार्ड 34 का भ्रमण की। इस दौरान नागरिकों ने लो प्रेसर की वजह से अंतिम छोर तक पानी के नहीं पहुंचने की शिकायत की। साथ ही नागरिकों का कहना था पेयजल टैंकर के माध्यम से उपलब्ध कराया जाए। महापौर शशि ने पूर्व निर्धारित टैंकर प्वाइंट की न केवल जानकारी ली, बल्कि समय पर टैंकर उपलब्ध कराने निर्देश दिए। इस दौरान महापौर ने सफाई संबंधी जानकारी नागरिकों से ली। भ्रमण कार्यक्रम में एमआईसी अनिल देशमुख, जहीर अब्बास, पार्षद राहुल राय, जल विभाग प्रभारी गोपाल सिन्हा, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी बृजेन्द्र परिहार समेत बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

नल पर टोटी लगाने दिए निर्देश- महापौर शशि सिन्हा ने नागरिकों से अपील की है कि पानी को व्यर्थ न बहाए साथ ही खुले नल पर टोटी अवश्य लगाए। महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि जिस घर के नल में टोटी नहीं लगाया जाएगा या पानी व्यर्थ खुले स्थान में बहते पाए जाने पर कार्यवाही प्रावधान के अनुरूप की जाएगी।

जनसमस्याओं का समाधान ही मेरा संकल्प है : गुरु खुशवंत साहेब

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री दर्जा, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं आरंग विधायक माननीय गुरु खुशवंत साहेब जी ने आज चंदखुरी खेल मैदान में आयोजित सुशासन तिहार 2025 -संवाद से समाधान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर माननीय गुरु साहेब जी ने क्षेत्र के नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी विभिन्न समस्याओं, मांगों और शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मौके पर ही कई समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कराया। गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि जनसमस्याओं को सुनना केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि मेरे जनप्रतिनिधि धर्म का अहम हिस्सा है। जनता के विश्वास से ही मेरी जिम्मेदारी और दृढ़ता दोनों सशक्त होती है। हर व्यक्ति की समस्या मेरे लिए एक संकल्प है, जिसका समाधान करना मेरा धर्म और दायित्व है।

समाधान शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर गुरु साहेब जी ने विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और हितग्राही लाभ वितरण की वस्तुस्थिति जानी.शिविर में हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं के तहत विभिन्न सामग्री, सहायता उपकरण एवं संसाधनों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारीगण, नगर पंचायत एवं ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारीगण, स्थानीय कर्मचारी, समाजसेवी संस्थाएं तथा सैकड़ों की संख्या में आम नागरिक व कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे। सभी ने माननीय गुरु खुशवंत साहेब जी के नेतृत्व में जनसंवाद एवं समाधान की इस पहल की सराहना की और इसे जनसेवा का प्रभावी मॉडल बताया।

निगम भिलाई क्षेत्र से निर्यात किए गए माल पर सीमा कर चुकाने के लिए अंतिम नोटिस संस्थाओ को जारी

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 132(2) के अधीन बनाए गये छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम सीमा से निर्यात किए गए माल पर सीमा कर निर्धारण एवं संग्रहण नियम 1996 के अधीन सीमा कर की राशि निगम कोष में जमा करना होता है। जो भी उद्योग या संस्था यहां पर निर्मित सामग्री का विक्रय सड़क के माध्यम से अन्य जगहो के लिए करता है। तो उसे नियमानुसार निर्यात कर संबंधित निकाय क्षेत्र में जमा करना होता है। इन सामग्री के विक्रय पर अनाज/ कृषि/ कपड़े/ लोहा पर 0.10 प्रतिशत, बिल्डिंग मटेरियल/ हार्डवेयर पर 0.20 प्रतिशत, फल/ साबुन/ सोडा/ फर्नीचर पर 0.25 प्रतिशत, मसाले/ इलेक्ट्रानिक/ मोटर वाहन सामग्री/ इमारती लकड़ी पर 0.50 प्रतिशत एवं शराब/ बियर/ अफीम पर 1.00 प्रतिशत निर्यात कर के रूप में निगम कोष में जमा किया जाना होता है।

वर्तमान में कुछ संस्थाओं द्वारा निर्यात कर की राशि जमा की जा रही है। जो इस प्रकार से है भिलाई इस्पात संयंत्र (सेल), भिलाई स्टील अथार्टी ऑफ इंडिया लिमिटेड, स्टील अथार्टी ऑफ इंडिया सेल रिफेक्ट्री यूनिट भिलाई, जे.पी. सीमेंट लिमिटेड भिलाई, अतूल ऑक्सीजन कंपनी 28 ए एण्ड्रस्टियल एरिया भिलाई, अतूल ऑक्सीजन कंपनी 28 बी एण्ड्रस्टियल एरिया भिलाई, अतूल क्रायोगेसिस गैस भिलाई, भिलाई सीमेंट पाईप मेन्चुरी, एन वायरर्स प्राईवेट लिमिटेड 20 लाईट एण्ड एरिया, बी. के. कास्टिंग लिमिटेड वोस्लो प्लांट, बी. के. इंजीनियरिंग कार्पोरेशन 45/47, सिम्पलेक्स इंजीनियरिंग फाउण्ड्री वर्कस, सिम्पलेक्स कास्टिंग लिमिटेड, विश्वा इंजीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड आदि द्वारा जमा किया जा रहा है।

निगम भिलाई द्वारा ऐसे सभी संस्थाओं को जिनके द्वारा सामग्री निर्यात की जा रही है। उनको नोटिस दिया गया था, जिसका जवाब उनके द्वारा वास्तविक रूप से नहीं दिया गया है। जबकि आयकर विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार संस्थाओं द्वारा अपने संस्था से निर्मित उत्पाद को भिलाई सीमा क्षेत्र से बाहर भेजा जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने कहा- हम सब पानी डालेंगे आप लोग बची हुई सड़क पूरा कर दीजिए

सड़क सीमेंटीकरण के लिए पर्याप्त पानी के तराई की आवश्यकता होती है

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर निगम भिलाई के जोन क्रमांक 03 मदर टेरेसा नगर वार्ड क्रमांक 31 में शिकायत मिली थी कि सड़क सीमेंटीकरण का कार्य चल रहा था। ठेकेदार द्वारा बीच में निर्माण को रोक दिया गया है। नगर निगम भिलाई द्वारा पूर्व में आदेश जारी किया गया था कि भीषण गर्मी को देखते हुए 15 जून मानसून आने तक अभी सड़कों का सीमेंटीकरण नहीं होगा। क्योंकि सड़क सीमेंटीकरण के लिए पर्याप्त पानी के तराई की आवश्यकता होती है, तराई नहीं हो पाने से सड़क की मजबूती कम हो जाती है और बीच-बीच से क्रेक भी हो जाती है।

प्राप्त शिकायत का अवलोकन करने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय जोन आयुक्त सतीश यादव के साथ मदर टैरेसा नगर वार्ड क्रमांक 31 में गए, वहां पूर्व निर्मित सीमेंटीकरण सड़क का अवलोकन किए। वहां उपस्थित लोगों की समस्याओं को सुने। सबका यही मांग था कि बची हुई सड़क का भी सीमेंटीकरण कर दिया जाए। जब उन्हे बताया गया कि पानी के तराई की समस्या के कारण ही सड़क के काम को अभी रोका गया है। तब स्थानीय नागरिकों ने एक स्वर में कहा बची हुई सड़क का निर्माण करा दीजिये। हम लोग जिम्मेदारी लेते हैं, अपने घर के सामने बनी सड़क पर पानी डालेगें। जब सड़क हमारे लिए बन रहा है तो पानी डालने का दायित्व भी हमारा है। यह आश्वासन मिलते ही आयुक्त ने जोन आयुक्त को तत्काल बचे हुए सड़क को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उपअभियंता शंकर सुमन मरकाम को निर्देशित किए कि निर्माणाधीन सड़क के गुणवत्ता में किसी प्रकार का कमी नहीं होना चाहिए। यदि कोई कमी है तो संबंधित ठेकेदार को नोटिस दिया जाए। यदि उसके द्वारा काम में लापरवाही किया जा रहा है तो कार्य को निगम मद से करावाकर संबंधित ठेकेदार से राशि की कटौती कर दिया जाए।

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

25 रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

कृषक उन्नति योजना

- 13 लाख किसानों को ₹3,716 करोड़ बकाया बोनस राशि वितरित
- देश में सर्वाधिक ₹3,100 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए Q.R. Code स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

SAMVAD-43817/ 1